घटती-घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 11- मंगलवार 11- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

दिल्ली में लाल किले के पास कार में धमाका,8 की मौत

24 लोग घायल,पार्किंग में खड़ी गाड़ियां जलीं,दिल्ली,मुंबई,यूपी और हरियाणा में हाई अलर्ट

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2025। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम एक धमाका हो गया। यह धमाका मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में हुआ है। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास खड़े वाहनों तक के परखच्चे उड़ गए। साथ ही आठ लोगों की मौत हो गई और सात लोग घायल भी हुए हैं। धामके की सूचना पर दमकल की कुल 7 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की एक टीम भी मौके पर है। विस्फोट के बाद दिल्ली में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। धमाके की वजह साफ नहीं है, लेकिन इसके बाद दिल्ली समेत मुंबई, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बयां की आंखों देखी...

धमाका इतना तेज था कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया,मैं गुरुद्वारे में था जब मैंने एक तेज आवाज सुनी। हम समझ ही नहीं पाए कि वह क्या थी,वह इतनी तेज थी। आस-पास खड़े कई वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। धमाके के बाद स्थानीय निवासी राजधर पांडे ने बताया, मैंने अपने घर से आग की लपटें देखीं और फिर नीचे आकर देखा कि क्या हुआ है। ज़ोरदार धमाका हुआ। मैं पास में ही रहता हूं। बता दें कि लाल किला क्षेत्र दिल्ली के सबसे ज्यादा व्यस्त और घनी आबादी वाले इलाके में शामिल है। दिल्ली अग्निशमन विभाग के अनुसार, लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास खड़ी एक कार में विस्फोट की सूचना मिली, जिसके बाद आसपास खड़ी तीन से चार गाड़ियां भी आग की चपेट में आ गईं और क्षतिग्रस्त हो गईं। मेट्रो स्टेशन के पास एक दुकानदार ने बताया, मैंने अपनी जिंदगी में इतना जोरदार धमाका कभी नहीं सुना।

यूपी के सभी जिलों में हाई अलर्ट,लखनऊ में गश्त बढ़ी...

दिल्ली में रेड फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास हुए धमाके के बाद उत्तर प्रदेश को अलर्ट पर रखा गया है। एएनआई से बातचीत में उत्तर प्रदेश के एडीजी (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि डीजीपी ने राज्य के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील धार्मिक स्थलों, संवेदनशील जिलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों की पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। लखनऊ से आदेश जारी कर संवेदनशील इलाकों में गश्त और जांच बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

लॉन्च हुआ नया आधार ऐप

अब क्यूआर स्कैन से शेयर होंगी डिटेल्स फिजिकल कार्ड की जरूरत खत्म

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2025। डिजिटल इंडिया को और आगे बढ़ाते हुए यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने सोमवार को आधार कार्ड का नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया। यह ऐप अब यूजर्स को आधार कार्ड को फोन में सुरक्षित रखने और जरूरत पड़ने पर क्यूआर कोड स्कैन करके आधार डिटेल्स शेयर करने की सुविधा देगा। यानी अब आपको आधार की फिजिकल कॉपी साथ रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यूआईडीएआई के अनुसार, नए ऐप में एक ही फोन पर पांच परिवार सदस्यों तक के आधार प्रोफाइल स्टोर किए जा सकते हैं। इसके साथ ही यह ऐप ऑफलाइन मोड में भी काम करेगा, जिससे इंटरनेट न होने पर भी आधार देखा जा सकेगा।

विधानमंडलों को लोकमत को नीति में बदलने की दिशा में निभानी होगी सक्रिय भूमिका : बिरला

कोहिमा,10 नवम्बर 2025। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र की सशक्तता तभी संभव है जब संसद और विधानसभाओं में गरिमा, अनुशासन और संवाद की संस्कृति कायम रहे। योजनाबद्ध अव्यवस्था और नारेबाजी जैसी प्रवृत्तियां लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करती हैं और जनता को सार्थक विमर्श से वंचित करती हैं। बिरला नागालैंड विधानसभा में आयोजित कॉमनवेल्थ संसदीय संघ (सीपीए) के 22 वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, राज्यसभा उपसभापति हरिवंश,नागालैंड विधानसभा अध्यक्ष शारिंगैन लोंगकुमेर तथा राज्य के संसदीय कार्य मंत्री के जी केन्ये सहित उत्तर पूर्व के आठ राज्यों के विधानसभाओं के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष उपस्थित थे। बिरला ने जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे लोकमत को नीति में परिवर्तित करने की दिशा में सक्रिय और रचनात्मक भूमिका निभाएं,क्योंकि यही लोकतंत्र का वास्तविक दायित्व है। ओम बिरला ने कहा कि विधानमंडलों की जिम्मेदारी केवल कानून बनाना नहीं है,बल्कि जनता की आकांक्षाओं और चिंताओं को नीतियों में रूपांतरित करना उनका मूल कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जब लोकमत नीति का आधार बनता है तब सतत और समावेशी विकास संभव होता है। उन्होंने उत्तर पूर्व में हो रहे डिजिटल परिवर्तन की सराहना करते हुए कहा कि नागालैंड विधानसभा का पूर्णतः पेपरलेस होना पारदर्शी और आधुनिक शासन की दिशा में एक आदर्श उदाहरण है। साथ ही उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों का प्रयोग जिम्मेदारीपूर्वक और नैतिकता के साथ होना चाहिए ताकि यह लोकतंत्र की मजबूती का माध्यम बने।

एयर पॉल्यूशन के खिलाफ विरोध करने वालों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों : राहुल

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2025। दिल्ली में बढ़ते एयर पॉल्यूशन के खिलाफ विरोध कर रहे लोगों को हिरासत में लेने पर राहुल गांधी ने सरकार की आलोचना की। उन्होंने एक्स पर कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से साफ हवा की मांग करने वाले नागरिकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है? बता दें दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ रविवार को इंडिया गेट पर सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। शाम होते-होते पुलिस ने लोगों को इंडिया गेट से हटा दिया। इस दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया था। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरकार ने प्रदूषण से निपटने की कोई प्लानिंग नहीं की है। इधर,केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक रविवार सुबह दिल्ली का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्युआई) 391 दर्ज हुआ,जो गंभीर श्रेणी में आता है। कई इलाकों जैसे बवाना (436), पटपड़गंज (425), आरके पुरम (422) और आनंद विहार (412) में हालात बहुत ही खराब हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने एक्स पर प्रदर्शन का एक वीडियो रिपोस्ट करते हुए लिखा- वायु प्रदूषण करोड़ों भारतीयों को प्रभावित कर रहा है। हमारे बच्चों और हमारे देश के भविष्य को नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन वोट चोरी से सत्ता में आई सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है, न ही वह इस संकट को हल करने की कोशिश कर रही है। हमें स्वच्छ हवा की मांग कर रहे नागरिकों पर हमला करने के बजाय, वायु प्रदूषण पर अभी से निर्णायक कार्रवाई करने की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक पर्यावरण कार्यकर्ता भवरीन कंधारी ने कहा कि बच्चों की सेहत बिगड़ रही है।

1800 करोड़ की जमीन 300 करोड़ में खरीदी डिप्टी सीएम अजित पवार का बेटा जांच के घेरे में विपक्ष बोला सौदा सरकारी मंजूरी के बिना हुआ

पुणे,10 नवम्बर 2025। पुणे में मुंडवा की 40 एकड़ सरकारी जमीन की विवादित बिक्री को लेकर अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार की फर्म अमाडिया एंटरप्राइजेज जांच के घेरे में है। सस्पेंड तहसीलदार ने भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण को जमीन खाली करने का नोटिस दिया। जिला कलेक्टर ने इस नोटिस को अवैध बताया और पूरी प्रक्रिया रोक दी। जांच में कई गंभीर गड़बड़ियां सामने आई हैं, जिसने इस जमीन सौदे को और भी विवादों में घेर दिया है।

क्या है मामला : महाराष्ट्र के पुणे स्थित मुंडवा इलाके की 40 एकड़ जमीन महार वतन की जमीन है, यानी यह पहले अनुसूचित जाति के महार समुदाय की जमीन हैं। साल 1973 में सरकार ने यह जमीन भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण को 15 साल के लिए लीज पर दे दी। फिर 1988 में लीज बढ़ाकर 50 साल कर दी गई। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण हर साल सिर्फ 1 रुपए किराया देकर यहां अपना रिसर्च और दफ्तर का काम करता रहा। सरकारी कागजों में इस जमीन का मालिकाना हक आज भी सरकार के नाम ही दर्ज है। लेकिन इस साल 20 मई को 272 मूल जमीन मालिकों की ओर से पावर ऑफ अटॉर्नी रखने वाली शीतल तेजवानी ने यह जमीन अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी को लगभग 300 करोड़ रुपए में बेच दी। अमाडिया में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार बहुसंख्यक साझेदार हैं। विपक्ष का आरोप है कि जमीन का बाजार मूल्य करीब 1800 करोड़ रुपए है और सौदा जरूरी सरकारी मंजूरी के बिना किया गया। सिर्फ छह दिन बाद अमाडिया ने तत्कालीन तहसीलदार सूर्यकांत येओले से जमीन खाली कराने का अनुरोध किया।

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज की 122 सीटों पर वोटिंग आज

पटना/नई दिल्ली,10 नवम्बर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज की 122 सीटों पर वोटिंग 11 नंवबर को होनी है। मतदान मंगलवार सुबह 7 बजे से शुरू होगा। इसके लिए 45,399 बूथ बनाए गए हैं। 122 सीटों पर 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं। विधानसभा चुनाव का रिजल्ट 14 नवंबर को आएगा। पहले फेज में रिकॉर्ड 65% वोटिंग हुई थी। इमामगंज प्रखंड के हेरहज, पथरा और केवलडीह गांव के मतदाता लगभग 25 साल बाद अपने गांव में ही मतदान कर सकेंगे। 2001 में आखिरी बार वोटिंग के बाद से इन तीनों गांवों के लोग वोट नहीं डाल पा रहे थे। दरअसल, नक्सलियों के कारण प्रशासन ने इन गांवों का पोलिंग बूथ 10-12 किमी दूर सलैया बना दिया था। दूरी और ट्रांसपोर्ट की कमी के चलते ग्रामीण वहां तक नहीं पहुंच पाते थे, जिससे लोग वोटिंग से वंचित रह जाते थे।

मोतिहारी में पैसे बांटने पर बीजेपी कैंडिडेट पर एफआईआर

बिहार में दूसरे फेज के लिए कल यानी 11 नवंबर को वोटिंग होनी है। इससे पहले मोतिहारी से बीजेपी कैंडिडेट लालबाबू प्रसाद गुप्ता पर पैसे बांटने के मामले में एफआईआर हुई है। आरजेडी कैंडिडेट देवा गुप्ता के समर्थक को भी पुलिस ने 3 लाख कैश के साथ पकड़ा है। मोतिहारी की चिरैया विधानसभा से बीजेपी विधायक और एनडीए प्रत्याशी लालबाबू प्रसाद गुप्ता का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में वो मतदाताओं को पैसे बांटते दिखाई दे रहे हैं। शिकायत के बाद एसपी स्वर्ण प्रभात ने संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। इधर, मोतिहारी पुलिस ने एक आरजेडी समर्थक को गिरफ्तार किया है। उस पर मतदाताओं को लुभाने के लिए पैसे और पार्टी सामग्री बांटने का आरोप है। पुलिस ने उसके पास से 3 लाख कैश और राजद प्रत्याशी देवा गुप्ता की प्रचार सामग्री जब्त की है।

विजय सिन्हा बोले...तेजस्वी हार के बहाने ढूंढ रहे हैं...

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर कहा, वे हार के बहाने ढूंढ रहे हैं। ईवीएम पुराना हो गया। अब चुनाव आयोग और एसआईआर के बाद वे हार का ठीकरा किस पर फोड़ें, इसके लिए अलग-अलग तरीके खोज रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, आपने देखा कि लखीसराय में भी अराजक मानसिकता वाले कई लोगों ने दलितों और अति पिछड़ों को वोट देने से रोका। इस तरह की मानसिकता के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। लोग प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार की डबल इंजन सरकार में विश्वास व्यक्त कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

दो डाक्टरों समेत सात गिरफ्तार

श्रीनगर,10 नवम्बर 2025। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में कई राज्यों में संयुक्त तलाशी के दौरान सात प्रमुख आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान दो पिस्तौल, एके-सीरीज की दो राइफलें, 2,900 किलो विस्फोटक और आईईडी बनाने वाली सामग्री के साथ ही एक चाइनीज स्टार पिस्तौल, एक बेरेटा पिस्तौल समेत अन्य ज्वलनशील पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान श्रीनगर के नौगाम निवासी आरिफ निसार डार उर्फ साहिल, श्रीनगर के नौगाम निवासी यासिर-उल-अशरफ,श्रीनगर के नौगाम निवासी मकसूद अहमद डार उर्फ शाहिद, शोपियां की एक मस्जिद के इमाम मौलवी इरफान अहमद,

गंदरबल के वाकुरा निवासी जमीर अहमद अहंगर उर्फ मुतलाशा, पुलवामा के कोइल निवासी डॉ. मुज़म्मिल अहमद गनई उर्फ मुसैब और कुलगाम के वानपोरा निवासी डॉ. अदील के रूप में हुई है। इस नेटवर्क से जुड़े और लोगों की पहचान की गई है और उन्हें पकड़ने का प्रयास जारी हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई 19 अक्टूबर को श्रीनगर के बनपोरा नौगाम में विभिन्न स्थानों पर पुलिस और सुरक्षाबलों को धमकी देने वाले जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर चिपकाए जाने के बाद की गई।

शहरी सहकारी बैंक बनें आकांक्षी युवाओं और निम्न वर्ग के सशक्तीकरण का आधार : शाह

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2025। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि देश के शहरी सहकारी बैंक अब आकांक्षी युवाओं,छोटे व्यापारियों और निम्न वर्ग के लोगों के सशक्तीकरण के लिए अग्रणी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि नैफकब और अन्य शहरी सहकारी संगठन एक 'नैतिक दिशानिर्देश जारी करें, जिसके आधार पर प्रत्येक बैंक अपने वित्तीय ढांचे को पुनः डिज़ाइन कर सके। शाह यहां राष्ट्रीय शहरी सहकारी बैंक एवं ऋण समिति महासंघ (नैफकब) और सहकारिता मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'को-ऑप कुंभ 2025' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शहरी सहकारी बैंक और ऋण समितियां हाल के वर्षों में नए उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ी हैं। उन्होंने अमूल और इफ्को को अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन द्वारा विश्व रैंकिंग

में क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी। शाह ने कहा कि यह दर्शाता है कि सहकारिता की अवधारणा आज भी उतनी ही प्रासंगिक और जीवंत है। अमूल ने देश में श्वेत क्रांति को गति दी है और आज प्रतिदिन तीन करोड़ लीटर दूध एकत्र कर रहा है। वहीं इफ्को ने हरित क्रांति में अहम योगदान देते हुए 93 लाख टन यूरिया और डीएपी का उत्पादन किया है, जिनके नैनो उत्पाद आज 40 से अधिक देशों में निर्यात किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज 'सहकार डिजी-पे' और 'सहकार डिजी-लोन' ऐप्स लॉन्च किए गए हैं।

पटना में छत गिरी,परिवार के 5 लोगों की मौत

पति-पत्नी,3 बच्चों की मलबे में दबने से जान गई,इंदिरा आवास योजना से बना था घर

पटना,10 नवम्बर 2025। पटना से सटे दानापुर में मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है। घटना रविवार देर रात की मानस नया पानापुर गांव की है। यह गांव सारण और पटना की सीमा से सटे दियारा क्षेत्र में है। मकान की छत गिरने से मोहम्मद बबलू (35), उनकी पत्नी रोशन खातून(30), उनकी बेटी रुसार(12), बेटा मो. चांद(10) और बेटी चांदनी(2) की मौत हो गई है। घर पर पूरा मलबा बिखरा पड़ा है। ईंट, टूटी दीवारों के नीचे बच्चे का स्कूल बैग और कुछ कपड़े, पंखा दबा दिख रहा है। कुछ ईंटों पर खून भी लगा है। पास ही कड़ाही, गैस चूल्हा और किचन के दूसरे बर्तन दबे पड़े हैं। हादसे पर सीएम नीतीश कुमार ने शोक जताया है। पोस्टमॉर्टम के बाद सभी के शव को एंबुलेंस से दियारा के मानस गांव भेजा गया है।

जोरदार आवाज सुन बाहर निकले गांव के लोग

आसपास के लोगों ने बताया कि छत गिरने के बाद जोरदार आवाज हुई। लोग घरों से निकले तो देखा कि छत धराशायी हो चुकी थी। बताया जाता है कि पूरा परिवार रात का खाना खाकर सो रहा था, तभी ये हादसा हुआ है। काफी मशक्कत के बाद मलबा हटाने पर पांच लोगों के शव मिले हैं। बबलू खान का मकान आवास योजना के तहत मिला था। मकान की दीवारों और छत में दरारें आ गई थीं, जिससे यह हादसा हुआ। ग्रामीणों के अनुसार मोहम्मद बबलू ने इंदिरा आवास योजना के तहत घर बनवाया था, जो पुराना होने के कारण जर्जर हो गया था। इससे रविवार की रात अचानक मकान की छत ढह गई और छत के नीचे सो रहे परिवार के 5 लोगों की मलबे में दबने से मौत हो गई।

30 साल पुराना था मकान

मृतक की भाभी सहाना खातून ने ने बताया, हमलोगों को फोन पर सूचना मिली थी। घर की छत पुरानी हो चुकी थी, अचानक से गिर गई। गांव के लोगों ने दरवाजा तोड़कर लाशें निकाली गई। हम यहां नहीं रहते हैं। पड़ोसी राम मंगिया राय ने कहा, रात में छत गिर गई। शोर होने पर लोग जुटे, जिसके बाद लाशें निकाली गईं। हमलोग पूरी रात जगे रहे। रात करीब साढ़े 9 बजे खाना खाकर सभी सोने जा रहे थे, तभी हादसा हुआ। बब्लू पांच भाई है। भाई बाहर रहते हैं। इनकी मां भी बाहर रहती है। वे लोग आ रहे हैं। एक मंजिला घर है। घर में यही पांच सदस्य सोए हुए थे। घर के सामने खाली जमीन है। आसपास में कई घर है। पास में ही झोपड़ीनुमा घर में उसके बड़े भाई और भाभी अपने परिवार के साथ रहती है। थानाध्यक्ष ने बताया, शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और प्रशासनिक स्तर पर जांच की जा रही है।

यूपी के सभी स्कूलों में वंदे मातरम गायन होगा अनिवार्य बोले योगी...राष्ट्र से बड़ा नहीं हो सकता कोई मत या मजहब

लखनऊ/गोरखपुर,10 नवम्बर 2025। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एलान किया है कि प्रदेशभर के सभी स्कूलों में'वंदे मातरम्' का गायन नियमित व अनिवार्य रूप करना सुनिश्चित किया जाएगा। 'वंदे मातरम्' हमारी सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है। वंदे मातरम में किसी बदलाव का प्रयास सफल नहीं होने दिया जाएगा। वंदे भारतम का विरोध करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि राष्ट्र से बढ़कर कुछ भी नहीं है। सोमवार को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारत रत्न से विभूषित एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में एकता यात्रा के शुभारंभ के मौके पर संबोधित कर रहे थे। लक्ष्मीबाई पार्क में

आयोजित सभा में वंदे मातरम में संशोधन और विरोध को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर सीधा प्रहार किया। योगी ने कहा कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ भी नहीं, और 'वंदे मातरम्' हमारी सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है। वंदे मातरम का विरोध करने का कोई मतलब नहीं है। राष्ट्र से बढ़कर कुछ भी नहीं है। कुछ लोगों के लिए मत और मजहब ऊपर है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी स्कूलों में वंदे मातरम का गायन अनिवार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम का जो मंत्र भारत की आजादी का कारण बना हो, उस मंत्र को भी सांप्रदायिक बताकर कांग्रेस ने उसमें संशोधन करने का प्रयास किया। कांग्रेस ने कहा था कि यह पांच और छह छंद का क्यों पढ़ना है, दो छंद में ही हो इसे पूरा किया जाए। जिस वंदे मातरम को कांग्रेस के 1896-97 के अधिवेशन में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने अपने स्वर में गाया था। वंदे मातरम का 1923 के अधिवेशन में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर ने विरोध किया था।

ब्राजीलियन मॉडल बोलीं- मेरा करियर बर्बाद हो जाएगा,राहुल गांधी को नहीं जानती

चंडीगढ़,10 नवम्बर 2025। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के मुद्दे से चर्चा में आई ब्राजीलियन मॉडल ने अपने करियर को लेकर चिंता जताई है। एक ब्राजीलियन टीवी चैनल से बातचीत में लारिसा नेरी ने कहा कि यह लोकप्रियता कहीं मेरा करियर न बर्बाद कर दे, इसलिए मैंने अपने वकीलों से सलाह मांगी है। मैं राहुल गांधी को नहीं जानती और न ही मेरा भारतीय राजनीति से कोई लेना-देना है। एक भारतीय मीडिया चैनल से बातचीत में लारिसा ने यह भी कहा कि यह फोटो करीब 8 साल पहले की है, जब मैं

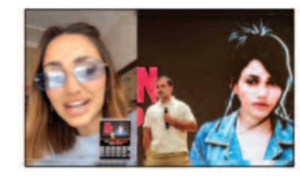

लगभग 20 साल की थी। यह फोटो एक फोटोग्राफर दोस्त की मदद के लिए खिंचवाई थी। यह फोटो मेरे घर के बाहर एक दीवार के पास ली गई थी और यह कोई प्रोफेशनल फोटो नहीं है। मैं कभी मॉडल नहीं रहीं, बल्कि सालों से हेयर-ड्रेसर का काम कर रही हूं। मेरी फोटो ऑनलाइन साइटों पर मुफ्त में डाउनलोड की जा सकती है।

संपादकीय

अस्वीकार्य हथकंडे

यह धारणा बना ली गई है कि हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ ज्यादा अपराध होते रहे हैं। लेकिन हाल ही में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले कथित अपराधों से जुड़े झूठे मामलों में भी यह राज्य सबसे ऊपर है। जो कि एक गंभीर विरोधाभास को दर्शाता है। पुलिस आंकड़ों पर नजर डालें तो हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की लगभग 45 फीसदी शिकायतें झूठी पायी गई। जबकि गुरुग्राम में 2020 से 2024 के बीच चालीस प्रतिशत से अधिक बलात्कार के मामले जांच के बाद रद्द किए गए। निश्चित रूप से इन आंकड़ों से न केवल कानून प्रवर्तन एजेंसियों बल्कि नागरिक समाज को भी चिंतित होना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि जब मनगढ़ंत शिकायतें सिस्टम में दर्ज की जाती हैं तो ये न केवल पुलिस का समय बर्बाद करती हैं, बल्कि इसके अलावा भी इसके कई तरह के नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। ये उन वास्तविक पीड़ितों की विश्वसनीयता को भी कमजोर करती हैं जो पहले से ही अपने खिलाफ खड़ी व्यवस्था में अपना मामला साबित करने के लिये संघर्ष कर रहे होते हैं। व्यक्तिगत बदला लेने,जबरन आर्थिक वसूली या ब्लैकमेल के लिये कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग दुर्भाग्यपूर्ण है। जैसा कि हाल ही में गुरुग्राम में एक वकील के नेतृत्व वाले गिरोह से जुड़े मामले में खुलासा हुआ। जाहिर है, इस तरह की करतूतें न्याय प्रक्रिया में जनता के विश्वास को कम ही करती हैं।

निस्संदेह,इस सामाजिक विद्रूपता का उत्तर सभी महिलाओं पर अविश्वास करने या उन्हें हिंसा की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करने में नहीं है। हर शिकायत को गंभीरता से लिया ही जाना चाहिए। लेकिन साथ ही जांच पेशवर तरीके से और प्रमाणिक साक्ष्य आधारित होनी चाहिए। इसके अलावा उतना ही महत्वपूर्ण उन लोगों को दंडित करना भी है जो जानबूझकर कानून का दुरुपयोग करते रहे हैं। निश्चित रूप से महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय की अखंडता परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीं हैं,बल्कि वे पूरी तरह एक-दूसरे पर ही निर्भर भी हैं। लेकिन प्रसंग के आलोक में सबसे बड़ी सामाजिक चिंता यह भी होनी चाहिए कि हरियाणा में लैंगिक संबंध इतने अस्थिर क्यों हो चले हैं कि यहां हिंसा और प्रतिशोध दोनों पनपते हैं? निर्विवाद रूप से शिक्षा, जागरूकता और लैंगिक संवेदनशीलता कमजोर कड़ियां बनी हुई हैं। सच्चा सशक्तीकरण कानूनों के हथियारीकरण से नहीं, बल्कि एक ऐसी संस्कृति से आएगा,जो निष्पक्षता,समानता और आपसी सम्मान को महत्व देती हो। झूठे आरोप न केवल आरोपी को बल्कि मामले की संवेदनशीलता को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में महिलाओं को न्याय सिर्फ सच्चाई या विश्वास की कीमत पर नहीं मिल सकेगा। ऐसे मामलों में समाज के जागरूक लोगों और महिला संगठनों को भी आवाज उठानी चाहिए। साथ ही उन लोगों को न्यायिक प्रक्रिया के जरिये दंडित किया जाना चाहिए,जो कानून की आड़ में निहित स्वार्थों को पूरा करना चाहते हैं।

कायस्थ राजवंशो का ऐतिहासिक गौरव

कायस्थ समुदाय की उत्पत्ति के बारे में विभिन्न मत हैं। पौराणिक परंपरा के अनुसार,कायस्थ चित्रगुप्त के वंशज माने जाते हैं। पद्म पुराण में उल्लेख है कि चित्रगुप्त जी के दो विवाह हुए और उनके कुल बारह पुत्र हुए,जिनसे कायस्थों की विभिन्न उपशाखाएं विकसित हुईं। इतिहासकारों के अनुसार,गुप्त काल से पूर्व ही बंगाल में कायस्थ पद की स्थापना हो चुकी थी। बंगाल में कायस्थ समुदाय का इतिहास विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। मुस्लिम विजय के पश्चात,बंगाली कायस्थों ने क्षेत्र के पुराने हिंदू शासक वंशों सेन,पाल,चंद्र और वर्मन राजवंशों का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रकार वे बंगाल के सरोगेट शासक योद्धा बन गए। बंगाली कायस्थ कई कुलों में विभाजित थे, जिनमें कुलीन कायस्थ उच्च श्रेणी के थे। पारंपरिक कथाओं के अनुसार,बोस,घोष,मित्रा,गुहा और दत्ता पांच प्रमुख बंगाली कायस्थ उप जातियां थे। गौड़ कायस्थों में नंदी, पाल,इंद्र,कर,भद्र,धर,ऐच,सुर,दाम,बर्धन,शील,चाकी और आध्य जैसे प्रमुख कुल शामिल थे। ऐतिहासिक अभिलेखों में उल्लेख है कि गौड़ कायस्थों में महाभारत काल के भागदत्त और कलिंग के रुद्रदत्त जैसे राजा हुए थे।

विवेक रंजन श्रीवास्तव

भारतीय समाज में हमेशा कायस्थ समुदाय का एक विशिष्ट और महत्वपूर्ण स्थान रहा है। परंपरागत रूप से लेखन,प्रशासन और राजकीय कार्यों से जुड़े इस समुदाय ने न केवल प्रशासकों और मंत्रियों के रूप में बल्कि स्वतंत्र शासकों और राजवंशों के रूप में भी भारतीय इतिहास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजा टोडरमल अकबर के प्रमुख दरबारी थे। कायस्थ राजवंशों के ऐतिहासिक योगदान, उनके शासन क्षेत्रों और वर्तमान परिदृश्य में उनकी स्थिति का विश्लेषण इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

मध्यकाल में बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में कायस्थ परिवारों ने स्थानीय शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन परिवारों ने न केवल राजनीतिक सत्ता का प्रयोग किया बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपराओं को भी समृद्ध किया। बंगाली कायस्थों का योगदान केवल राजनीति तक सीमित नहीं था, बल्कि वे साहित्य, कला और शिक्षा के क्षेत्र में भी सदैव अग्रणी बने रहे। दक्षिण भारत में, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश में, कायस्थ राजवंश ने तेरहवीं शताब्दी में शासन किया। यद्यपि वे नाममात्र रूप से काकतीय राजवंश के अधीन थे, किंतु व्यावहारिक रूप से वे स्वतंत्र शासक थे। कायस्थ राजवंश ने आंध्र में पनुगल से मार्जवाड़ी तक विशाल क्षेत्र पर शासन किया, जिसकी राजधानियां वल्लूर और गांडिकोटा थीं। इस राजवंश में चार शासक हुए, जो सभी महान योद्धा और प्रशासक के रूप में विख्यात थे। गांडिकोटा का किला आज भी उनकी स्थापत्य कला और सैन्य दक्षता का प्रमाण है। यह किला अपनी सुरक्षा व्यवस्था और रणनीतिक स्थिति के लिए प्रसिद्ध था और कायस्थ राजाओं की सैन्य कुशलता को प्रदर्शित करता है। उत्तर भारत में चित्रगुप्तवंशी कायस्थों की विभिन्न शाखाएं थीं जिनमें अंभिष्ट,अस्थाना, बाल्मीक,भटनागर इत्यादि थीं। ग्यारहवीं शताब्दी के बाद के शिलालेखों में विभिन्न क्षेत्रीय वंशों का उल्लेख मिलता है जो उत्तर भारतीय कायस्थों की शाखाओं से संबंधित थे। इन वंशों को उनकी सामान्य व्यावसायिक विशेषज्ञता के साथ पहचाना जाता था और जिनके सदस्य मध्यकालीन राज्यों के प्रशासन में विशेष रूप से प्रभावशाली हो गए थे। कुछ कायस्थों ने सैन्य कमांडरों और क्षेत्रीय शासकों के रूप में भी पद संभाले। उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में कायस्थ मंत्रियों, सेनापतियों और सलाहकारों के रूप में राजदरबारों में महत्वपूर्ण स्थान थे। कायस्थों ने केवल राजनीतिक शासन ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में भी अद्वितीय योगदान दिया। चित्रगुप्तवंशी कायस्थ और बंगाली कायस्थ पारंपरिक रूप से प्रारंभिक मध्ययुगीन राज्यों में हिंदू राजाओं के लिए प्रशंसा भाषण और स्तोत्र लिखने के लिए जिम्मेदार थे,जिन्हें प्रशस्ति के रूप में जाना जाता है। वे वित्तमंत्री, सेनाध्यक्ष और शासक के सलाहकार के रूप में नियुक्त किए जाते थे। उनकी लेखन कला, भाषा ज्ञान और प्रशासनिक कौशल ने उन्हें राजदरबारों में अपरिहार्य बना दिया था। कायस्थों ने राजकीय अभिलेखों का रखरखाव, राजस्व प्रबंधन और न्यायिक कार्यों में भी लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ब्रिटिश शासन के दौरान, बंगाली कायस्थों और बंगाली ब्राह्मणों ने उच्च शिक्षा और सरकारी सेवाओं में महत्वपूर्ण प्रगति की। उनकी पारंपरिक लेखन और प्रशासनिक कुशलता ने उन्हें औपनिवेशिक प्रशासन में महत्वपूर्ण पद दिलाने में मदद की। इस दौरान कायस्थ समुदाय ने शिक्षा, साहित्य,कला और राजनीति में बहुत अग्रणी भूमिका निभाई। अंग्रेजी शिक्षा को अपनाने में कायस्थ समुदाय अग्रणी रहा और इसने उन्हें आधुनिक व्यवसायों और सेवाओं में प्रवेश का अवसर प्रदान किया। बंगाल में नवजागरण काल में भी कायस्थ समुदाय के कई विद्वानों,लेखकों और सुधारकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आधुनिक भारत में कायस्थ समुदाय एक उच्च शिक्षित और सामाजिक,आर्थिक रूप से प्रगतिशील समुदाय के रूप में स्थापित है। शिक्षा, प्रशासन,व्यापार,चिकित्सा,इंजीनियरिंग, कानून और कला के क्षेत्र में कायस्थ समुदाय के सदस्यों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। ऐतिहासिक रूप से लेखन और प्रशासन से जुड़े होने के कारण,समुदाय ने आधुनिक शिक्षा को शीघ्रता से अपनाया और विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज की। आज भारतीय नौकरशाही,न्यायपालिका,शिक्षा जगत और व्यावसायिक क्षेत्रों में कायस्थ समुदाय का महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व है। वर्तमान में कायस्थ समुदाय भारतीय राजनीति में सक्रिय भागीदारी रखता है। विभिन्न राज्यों में कायस्थ नेता महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों पर आसीन हैं। हालांकि,परंपरागत शाही परिवारों की तरह राजवंशीय शासन की प्रणाली अब विद्यमान नहीं है,फिर भी कुछ पुराने कायस्थ राजपरिवारों के वंशज अभी भी सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतिष्ठा बनाए हुए हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कायस्थ समुदाय ने अपनी पारंपरिक

प्रशासनिक कुशलता और शिक्षा के प्रति लगाव को बनाए रखते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है। कायस्थ समुदाय अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए सक्रिय रहा है। चित्रगुप्त पूजा, जो कायस्थों का प्रमुख त्योहार है, आज भी बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। विभिन्न कायस्थ सभाओं और संगठनों ने समुदाय के इतिहास, संस्कृति और योगदान को दस्तावेजित करने और प्रचारित करने के प्रयास किए हैं। समुदाय ने शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और सामाजिक कल्याण संगठनों की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कायस्थ पाठशाला, विभिन्न ट्रस्ट और फाउंडेशन समाज के विकास में सक्रिय हैं। ये संस्थाएं न केवल समुदाय के सदस्यों की सहायता करती हैं बल्कि व्यापक समाज के कल्याण में भी योगदान देती हैं। आधुनिक भारत में कायस्थ समुदाय भी पारंपरिक पहचान और आधुनिक व्यावसायिकता के बीच संतुलन बनाने का प्रयास कर रहा है। युवा पीढ़ी में वैश्विक दृष्टिकोण और व्यापक सामाजिक एकीकरण की प्रवृत्ति बढ़ रही है। साथ ही, समुदाय अपनी ऐतिहासिक विरासत को भुलाए बिना समकालीन भारतीय समाज में अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित कर रहा है। शिक्षा,विज्ञान,प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के क्षेत्रों में कायस्थ युवा पीढ़ी नए आयाम स्थापित कर रही है। कायस्थ समुदाय का इतिहास भारतीय इतिहास का एक समृद्ध अध्याय है। प्राचीन काल में महाभारत के योद्धाओं से लेकर मध्यकाल में बंगाल, आंध्र और उत्तर भारत के शासकों तक, कायस्थों ने राजनीतिक,प्रशासनिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। यद्यपि पारंपरिक राजवंशीय शासन अब इतिहास का हिस्सा बन गया है,किंतु कायस्थ समुदाय ने आधुनिक लोकतांत्रिक भारत में भी शिक्षा, व्यवसाय, प्रशासन और राजनीति में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति बनाए रखी है। चंद्रसेनीय कायस्थ प्रभु (महाराष्ट्र और गुजरात) अर्थात पश्चिमी भारत में शासन और प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। यह उपजाति आज भी मुख्य रूप से महाराष्ट्र और गुजरात में प्रशासनिक और पेशेवर क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कुछ स्रोतों में सातवाहन और परिहार कायस्थ राजवंशों का उल्लेख है, जो मध्य भारत में सत्ता में रहे थे। मंडला के गौंड राजाओं ने दीवानी कार्यों के लिए हमारे कायस्थ परिवार को उत्तरप्रदेश से मंडला बुलवाया था , वहां हमारा घर आज भी महलात कहलाता है।

अधिक मात्रा में दर्द निवारक दवाएं लेना हानिकारक

सुभाष आनंद

विश्व हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट में प्रकाशित जानकारी के अनुसार एशिया में रहने वाले अधिकतर लोग पीठ दर्द ,सिर दर्द एवं शरीर के अन्य दर्दों के लिए डॉक्टर की पर्ची के बगैर पैन किलर दवाइयों का बड़े धड़ल्ले से प्रयोग कर रहे हैं। भारत में लोग डॉक्टरों द्वारा सुझाई गई डोज से तीन गुना अधिक दवाइयां अपने शारीरिक दर्द को दूर करने के लिए ले रहे हैं। आर्थोपेडिक सर्जन डॉक्टर निखिल गुप्ता का कहना है कि लोग दर्द से छुटकारा पाने के लिए पीड़ानाशक दवाइयों का प्रयोग करते हैं ताकि शरीर की पीड़ा कम हो सके,लेकिन यह कटु सच्चाई यह है कि दीर्घ अवधि में शरीर पर इन दवाईयों का बुरा प्रभाव देखने को मिल सकता है। डॉक्टर निखिल का कहना है कि यह दवाएं तीन प्रकार की होती है, स्टेरॉयड से बनी,स्टेरॉइड रहित और नशीले पदार्थों से बनी। अनपढ़ हों या पढ़े लिखे लोग सभी पेट दर्द एवं शरीर में किसी अन्य प्रकार के दर्द में ये दवाएं प्रयोग में लाते हैं। अधिकतर लोग स्टेरॉयड रहित दर्द निवारक दवाईयों का प्रयोग करते हैं,क्योंकि यह ज्यादा प्रभावशाली होती है। शहरों और गांवों में काम कर रहे आर.एम.पी डॉक्टर दर्द के लिए नशीली दवाओं का ज्यादा प्रयोग करते हैं। ऐसी दवाईयों को खाने से शरीर में जहर पनपने लगता है। इन दवाईयों का प्रयोग मरीजों को डॉक्टर के परामर्श के बगैर नहीं करना चाहिए ।

जेनेसिस सुपर स्पेशलिटी की डॉक्टर कनिष्क किनरा का कहना है कि डॉक्टर इन दर्द निवारक दवाओं को निर्धारित समय के लिए निर्धारित परिस्थितियों में ही सेवन करने को कहते हैं ,जोड़ों के दर्द से पीड़ित रोगियों को ज्यादा देर तक असर देने वाली दर्द निवारक दवाओं की जरूरत होती है और इन दवाईयों के दुष्परिणाम भी ज्यादा होने का संदेह बना रहता है। डॉक्टर कनिष्क किनरा का कहना है कि पंजाब में अधिकतर आरएमपी डॉक्टर ऐसी दर्द निवारक दवाई का प्रयोग करते हैं जिसमें स्टेरायड ज्यादा होते हैं, रोगी को दर्द से राहत तो मिल जाती है,परंतु यह दवाएं मानव जीवन में हल्का सा जहर बनकर उभरती हैं। लंबे समय तक इन दवाईयों के सेवन से शरीर में कई प्रकार की मुश्किलें पैदा हो सकती है, इन दवाईयों का सेवन कम से कम तीन दिन और अधिक से अधिक 7 दिन तक ही करना चाहिए। डॉक्टर किनरा का कहना है कि कुछ हालातों, जैसे बदहजमी अथवा लीवर की समस्याओं में दर्द निवारक दवा रोगी की वर्तमान स्थिति को और खराब कर सकते हैं ,ऐसी स्थिति में रोगी को 10 दिनों जैसी छोटी सी अवधि के लिए एनाल्जेसिक दवा का प्रयोग हानिकारक है। डॉक्टरों का कहना है कि शराब के साथ दर्द निवारक दवाई का प्रयोग हानिकारक हो सकता है, क्योंकि यह कॉकटेल बनाता है। जिसके कारण कभी-कभी जान का खतरा भी बन सकता है। दवाई लेने से पहले आपको अपने डॉक्टर को सच-सच बताना चाहिए कि आप कितनी शराब पीते हैं ताकि डॉक्टर आपको वही दवाएं दे जो शराब पीने के पश्चात भी हानिकारक सिद्ध ना हो। डॉक्टर रोशन लाल तनेजा सेवानिवृत्त सिविल सर्जन का भी कहना है कि मरीज को डॉक्टर से किसी चीज को छुपाना नहीं चाहिए ताकि डॉक्टर मरीज का सही इलाज कर सके,इन दवाईयों का सबसे गंभीर दुष्परिणाम रक्तस्राव के रूप में देखा जा सकता है जिसमें उल्टी के साथ खून का आना अथवा पेट में अल्सर का बनना मुख्य है।

एस्प्रिन की गोली खाने वाले मरीजों में यह बीमारी बढ़ती जाती है। डॉ कमल बागी डायरेक्टर अनिल बागी सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल का कहना है कि दर्द निवारक दवाई खाने से पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य लेनी चाहिए,एनीमिया से पीड़ित कुछ रोगियों के लिए इनके सेवन से लीवर फेल होने के कारण भी बन सकते है, कुछ रोगियों में अलसर होने की संभावना बढ़ जाती है। डॉक्टरों का कहना है कि एनीमिया से पीड़ित कुछ रोगियों के लीवर फेल होते देखे जा सकते है,उन्हें छोटी आंत में दर्द निवारक दवाई के सेवन से अलसर हो गया था। डॉक्टर कनिष्क किनरा ने बताया कि दर्द निवारक दवाओं के सेवन में पेरासिटामोल दो ग्राम प्रतिदिन से अधिक नहीं लेनी चाहिए। ट्रामाडोल लंबे समय तक ली जा सकती है। परंतु इन्हें भी अति आवश्यक माना जाए तो आपको इनकी लत भी हो सकती है। डॉक्टर रॉबिन गुप्ता ने बताया कि स्टॉराइड रहित नशीले पदार्थों से बनी दर्द निवारक दवाई व्यक्ति के रक्तचाप को बढ़ा सकती है और उसे हाइपरटेंशन हो सकता है। ऐसे में दवाइयां का प्रयोग कम से कम मात्रा में किया जाना चाहिए।

अनाज उत्पादन और कुपोषण का दायरा
हरित क्रांति के बाद जहां देश गेहूं और धान की

विजय गर्ग

पैदावार के मामले में आत्मनिर्भर बना है, वहीं अनाज का उत्पादन बढ़ने से इसके भंडारण की समस्या से भी जूझना पड़ रहा है। आज भी सरकारी गोदाम अनाज से भरे पड़े हैं,इसके बावजूद देश में कुपोषण की स्थिति और पौष्टिक आहार की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। हालांकि,दलहन और तिलहन उत्पादन के क्षेत्र में हम अब भी पीछे हैं,लेकिन सवाल यह है कि कृषि प्रधान देश कहलाने वाले भारत में यह स्थिति क्यों है? इसमें संदेह नहीं कि आज भारत में अन्न उत्पादन रेकार्ड स्तर पर है। आंकड़ों पर निगाह डालें तो जहां वर्ष 1950-51 में देश में कुल अन्न उत्पादन सिर्फ 5.08 करोड़ टन था,वहीं आज यह बढ़कर तैंतीस करोड़ टन के पार पहुंच गया है। मगर, देश में अब तक सर्वाधिक ध्यान गेहूं और धान के उत्पादन पर दिया जाता रहा है। लिहाजा, हम दलहन और तिलहन उत्पादन में अपेक्षित प्रगति नहीं कर पाए हैं। हम आज भी साठ हजार करोड़ रुपए से अधिक की दालें आयात कर रहे हैं। यह देश की कुल दाल खपत का करीब तीस फीसद हिस्सा है। खाद्य तेलों के लिए भी हम आयात पर निर्भर है। देश में खाद्य तेलों की कुल खपत का साठ फीसद हम आ हम आयात कर रह रहे हैं पिछले एक अरसे में देश में गेहूं तथा चावल की पैदावार में बढ़ोतरी हुई है और अब स्थिति सरकारी गोदामों में भंडारण के लिए जगह नहीं नहीं है, लेकिन पोषण की दृष्टि से देखें तो अलग ही तस्वीर नजर आती है। दलहन और तिलहन उत्पादन में हम पीछे हैं तथा फल, सब्जियों और मोटे अनाज का उत्पादन एवं खपत दोनों ही सीमित हैं। जाहिर है कि देश में कैलोरी की कमी नहीं है, लेकिन पोषण नहीं मिल पा रहा है। गेहूं और चावल पेट तो भरते हैं,मगर प्रोटीन,आयरन, विटामिन और पोषक तत्त्वों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पाते इसी से कुपोषण की समस्या पैदा हो रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2019- 21)) के आंकड़ों के मुताबिक, देश में पांच साल से कम उम्र के बच्चों के एक बड़े हिस्से की स्थिति चिंताजनक है। लगभग 36 फीसद बच्चे उम्र के हिसाब से छोटे कद वाले हैं,19 फीसद बच्चों का वजन उनकी लंबाई के अनुपात में कम है और करीब 32 फीसद बच्चे अपनी उम्र के हिसाब से कम वजन के हैं। इसी प्रकार 15 से 49 वर्ष की आधी से अधिक महिलाएं एनीमिया यानी खून की कमी से जूझ रही हैं। यह स्थिति पोषक तत्त्वों की कमी से उत्पन्न हो रही है। विशेषज्ञों 7 के अनुसार, कुपोषण की समस्या कई कारकों के मेल से पैदा होती है। गरीबी और सामाजिक असमानता इसकी सबसे बड़ी वजह है,क्योंकि भोजन की उपलब्धता होने के बावजूद बड़ी आबादी पौष्टिक भोजन खरीदने में सक्षम नहीं होती। दालों और तिलहनों की कमी भी अहम कारण है। प्रोटीन और अच्छी वसा के स्रोत सीमित होने के कारण संतुलित आहार नहीं मिल पाता है। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं में कुपोषण से बच्चे जन्म से ही कमजोर होते हैं और आगे भी कुपोषण का सिलसिला बना रहता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, कुपोषण बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। बच्चों में इसका असर शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ता है। माताओं में खून की कमी तथा प्रसव जटिलताएं बढ़ जाती हैं। यह खुशी का विषय है कि देश में गरीबी की स्थिति में कमी आ रही है। स्टेट बैंक आफ इंडिया की एक रपट में इसका श्रेय गरीबों को सीधी मदद के लिए सरकार की ओर से चलाए जा रहे कार्यक्रमों को दिया गया है, लेकिन कुपोषण की समस्या बढ़ना चिंताजनक है। संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंतर-एजंसी समूहों की ओर से संयुक्त रूप से जारी विश्व में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण की स्थिति-2023 की रपट के मुताबिक, भारत में 2020 और 2022 के बीच 7.4 करोड़ लोग अल्प पोषण के शिकार पाए गए। देश की कृषि उपज का बड़ा हिस्सा गेहूं और चावल पर केंद्रित है,लेकिन प्रति हेक्टेयर उत्पादकता के मामले में अभी भी हम वैश्विक औसत से पीछे है। आंकड़ों के अनुसार,देश में गेहूं का प्रति हेक्टेयर उत्पादन 3.5 टन है, जबकि चीन में यह करीब 5.7 टन और फ्रांस में 7.2 टन तक पहुंच चुका है। इसी तरह धान की पैदावार भारत में औसतन चार टन प्रति हेक्टेयर है,जबकि अमेरिका में यह आठ टन और वियतनाम में करीब छह टन है। इस अंतर से पता चलता है कि देश में आधुनिक तकनीक, उच्च गुणवत्ता वाले बीज और सटीक सिंचाई पद्धतियों की अभी भी भारी कमी है, जिस कारण हम प्रति हेक्टयेर उत्पादन में पिछड़ रहे हैं। केंद्र सरकार कुपोषण की समस्या के निवारण और पोषण सुरक्षा के लिए प्रयास कर रही है। इसके लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। एकीकृत बाल विकास सेवा के माध्यम से छह साल से कम उम्र के बच्चों और उनकी माताओं को पोषण प्री-स्कूल शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं दी जाती हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत मातृ और शिशु स्वास्थ्य पर जोर दिया रहा है राष्ट्रीय पोषण मिशन का लक्ष्य बच्चों और किशोरियों में खून की कमी और कम वजन की समस्या घटाना है। इसके साथ ही 1000 दिवसीय पहल शुरू की गई। है, जो गर्भधारण से लेकर बच्चे के पहले दो आयात पर साल तक के समय को सबसे महत्त्वपूर्ण मानती है। सरकार ने मिलेट वर्ष और पोषणयुक्त भारत जैसे अभियान भी शुरू किए हैं, इसके बावजूद चुनौतियां बरकरार हैं। हमारे किसान अब भी गेहूं-धान के चक्र से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं।

डॉ. सुधाकर आशावादी

राजनीतिक अस्तित्व की तलाश में जुटी कांग्रेस

बिहार चुनाव का ऊँट किस करवट बैठेगा,विजय का वरण कौन करेगा,यह तो भविष्य के गर्भ में ही छिपा है, किन्तु अपने राजनीतिक अस्तित्व की तलाश में जुटी कांग्रेस का रुदाली विलाप चुनाव परिणामों से पूर्व ही प्रारम्भ हो गया है। कहना अनुचित न होगा, कि चुनावों में वोट चोरी का विमर्श गढ़ने वाले तत्व जहाँ तहाँ वोट चोरी के प्रमाण तलाश कर चुनाव व्यवस्था को चुनौती देने में जुटे हैं। कभी मतदाता सूचियों पर सवाल उठाते हैं। कभी किसी भी घटना का तिल का ताड़ बनाने के लिए एड़ी से चोटी तक का जोर लगाने लगते हैं। हर चुनाव को वोट चोरी से जोड़कर चुनाव आयोग पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस आज स्वयं सवालों के घेरे में है। 2014 से केंद्र की सत्ता से दूर कांग्रेस 2025 लोकसभा चुनावों में पहले से अधिक सीटें जीतकर आई, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी का भी प्रदर्शन अच्छा रहा, यदि उन चुनावों में वोट चोरी हुई, तो वोट चोरी से किसका लाभ हुआ, किसे पहले से अधिक सीटें मिली ? चुनाव व्यवस्था में जुड़े लोग जानते हैं, कि कितने गहन प्रशिक्षण के उपरांत ईवीएम के प्रयोग में कितनी सावधानी बरती जाती है। लाखों कर्मचारी चुनाव की पारदर्शिता के लिए अपनी रातों की नींद और दिन का चैन गंवाते हैं, तब कहीं जाकर निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराते हैं। अपनी राजनीतिक जमीन खो चुके राजनीतिक दल जन विश्वास खो देने के कारण चुनाव हारते हैं , किन्तु अपनी हार का ठीकरा अपनी कमजोरियों पर नहीं बल्कि चुनाव आयोग और सत्ता पक्ष पर फोड़ने से बाज नहीं आते। समझ नहीं आता कि कांग्रेसी युवराज आखिर ऐसा क्यों समझते हैं, कि आम मतदाता उनकी विचारधारा और वंशवाद का गुलाम है तथा वह केवल कांग्रेस के पक्ष में ही मतदान करने के लिए बाध्य है। क्या जिन वोटों के चोरी होने का आरोप कांग्रेस चुनाव आयोग और सत्ता पक्ष पर लगाती है, क्या वे सभी वोट कांग्रेस के प्रामाणिक वोट हैं ? कांग्रेस के वंशवादी परिवार की नीयत इस प्रकार के आरोपों से साफ समझी जा सकती है, क्योंकि कांग्रेस जानती है, कि वह जनसमर्थन खो चुकी है तथा उसकी हैसियत अपने बल पर सत्ता में टिकने की नहीं रह गई है। इसलिए ही झूठे विमर्श गढ़ कर वह अपनी खीज मिटाने का पूर्वनियोजित प्रयास कर रही है।

गूंजता रहे प्रवासी पक्षियों का मधुर कलरव

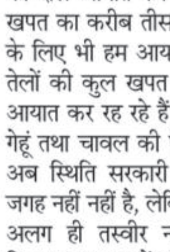

प्रमोद दीक्षित मलय

मेरा बचपन गांव में बीता है और शहर में बसने के बावजूद आज भी अपने गांव से किसी न किसी रूप में रिश्ते की डोर जुड़ी हुई है। हमारा घर गांव की मुख्य बस्ती में तो था ही, किंतु खेती-बाड़ी की सुविधा की दृष्टि से अपने आम के बगीचा समीप खेतों के बीच पुरवा (मेरा) बना लिया था। दूर-दूर तक धान-गेहूं की फसलों से लहराते खेत, मेंड़ों पर पीले फूलों वाली टोपी पहने अरहर की कतार और खेतों की माटी को अपनी जड़ों से जकड़े साधनारत कैथा, महुआ,पीपल,बेर,बरगद,शीशम के हरे-भरे तपस्वी वृक्ष तथा गगन को चूमते लम्बे मजबूत बांस। मकान से जुड़ी हुई एक बड़ी तलैया जिसके निर्मल जल में अठखेलियां करती मछलियां मन मोह लेतीं। गहरे छिछले खेतों में प्राकृतिक रूप से बन गयी बड़ी पोखर। तलैया में कोई भीटा या मेंड़ नहीं होने से बारिश के बाद भी खेतों का पानी रिस-रिस कर भरता रहता और उसमें वर्ष भर पानी भरा रहता। पोखर एक प्रकार का गहराई वाला खेत था जिसमें होली के कुछ बाद तक पानी बना रहता। इससे खेतों और वातावरण में नमी बनी रहती और मौसम सुहावना। तलैया के पानी में हम लोग बर्तन धुलते, स्नान करते और भात रांधने के लिए दौरी (बांस की एक निश्चित आकार की विशेष टोकरी) भर चावल उसी जल में धोएं जाते। तलैया में किसी जानवर या अन्य आदमियों का आना-जाना नहीं था। बरसात में तलैया के जल में करेमू की बेल फैल जाती जिसकी पत्तियों से निर्बल वर्ग की महिलाएं साग बनातीं और हम बच्चे उसकी पतली शाख से टुकड़ा तोड़ पिपहरी वाली सीटी बना पिर्र-पिर्र बजाते दौड़ते। पाठक सोच रहे होंगे कि मैं यह क्यों लिख रहा हूं,लेख का विषय तो प्रवासी पक्षी है। पाठकों का सोचना सही है, पर मेरे लेख का एक सिरा इसी तलैया से मजबूती से जुड़ा है,क्योंकि इसी तलैया पर जाड़ों के मौसम में मैंने दर्जनों प्रवासी पक्षियों को डेरा जमाते,जल पर तैरते और मोहक संगीत बिखरते देखा-सुना है। हालांकि तब मुझे बिलकुल भी मालूम नहीं था कि जाड़ों में आने वाले ये पक्षी दूर देशों से आने वाले प्रवासी पक्षी हैं,यह जानकारी बहुत बाद में हुई जब शिक्षक बन बच्चों के बीच काम करने का अवसर मिला। तब आषाढ़ में धान की बेड़ लग जाती और नवरात्र आते-आते पौधों पर दूधिया दाना बनने लगता। जल्दी पकने वाली धान की किस्में दीपावली तक पकने लगतीं और एक मीठी-भीनी महक वातावरण में घुलने लगती। धान के खेतों के भरे पानी में छोटी-छोटी मछलियां चांदी सा चमकती बहती रहतीं, लिसलिसे घोंघे अलसाये से रेंगते और केकड़े मेड़ की निचली गीली दरारों में मिट्टी के घरौंदे बनाते रहते। तलैया और पोखर में तो कुछ बड़ी मछलियों और केकड़ों का राज रहता। पोखर और तलैया में अपने आप उग आने वाला धान, जिसे हमारे यहां पसही का धान कहा जाता था,इन दिनों पक जाता था। तो बस,यही तो चाहिए था प्रवासी पक्षियों को। पर्याप्त भोजन, सुरक्षित आवास,प्रजनन हेतु अनुकूल जलवायु। दीपावली तक तलैया पर रंग-बिरंगे,धूसर,काले-सफेद छोटे-बड़े पक्षियों का कब्जा हो जाता और होली तक बना रहता। गर्मी शुरू होते गेहूं की फसल भी पक चुकी होती, खेत खाली होने लगते,आसमान कुछ-दहकने लगता,पेड़ों की छाया सिकुड़ने लगती, तलैया के चतुर्दिक उगे घास-खरपतवार सूख रहे होते,तलैया में मछलियों की धमाचौकड़ी भी शांत हो जाती तब इन प्रवासी पक्षियों की वापसी उड़ान शुरू हो जाती।

सुविचार

जो हम दूसरों को देंगे वही
लौटकर हमारे पास आएगा
चाहे वह इज्जत हो,
सम्मान हो या फिर धोखा।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

पुलिस हिरासत में युवक की मौत के बाद बलरामपुर में तनाव

पुलिस हिरासत में क्यों हो रही मौत? छत्तीसगढ़ पुलिस की बर्बरता क्यों नहीं खत्म हो रही?

- बलरामपुर जिले में पुलिस अधीक्षक में दूसरी मौत व संभाग में तीसरी मौत
- परिजनों ने लगाया पिटाई का आरोप,शव लेने से किया इनकार ...प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच का दिया आदेश...
- पुलिस अभिरक्षा में मौत के बढ़ते मामले सवालों के घेरे में...
- सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद भी नहीं थम रही कस्टडी डेथ की घटनाएँ

-न्यूज डेस्क-

बलरामपुर 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। पुलिस हिरासत में मौत के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, जिससे पुलिस की पूछताछ प्रणाली और मानवाधिकारों को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं,सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं कि किसी भी आरोपी से पूछताछ के दौरान अत्यधिक बल का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए और प्रक्रिया पूरी तरह मानवीय एवं कानूनी होनी चाहिए। इसके बावजूद क्षेत्र में हाल के समय में पुलिस अभिरक्षा में मौत की तीन घटनाएं दर्ज की गई हैं,इनमें से दो घटनाएँ बलरामपुर जिले की बताई गई हैं,जबकि एक घटना अंबिकापुर (रानूबेग) क्षेत्र की है, इन मामलों में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई और पूछताछ के दौरान अपनाए गए तरीकों को लेकर स्थानीय स्तर पर सवाल उठते रहे हैं। बता दे की जिले में पुलिस हिरासत में एक युवक की मौत के बाद रविवार और सोमवार को स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। मृतक युवक को चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था, परिजनों का आरोप है कि युवक की मौत पुलिस की पिटाई से हुई है,जबकि पुलिस का कहना है कि युवक को सिकलसेल की पुरानी बीमारी थी और इलाज के दौरान उसकी तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई, घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन कोतवाली थाने पहुंच गए और शव लेने से इनकार करते हुए धरने पर बैठ गए, कुछ समय के लिए पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनातनी की स्थिति भी बनी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिले में अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई।

शहर में तनाव और सुरक्षात्मक व्यवस्था : घटना के बाद से कोतवाली और आसपास के क्षेत्रों में फोर्स की तैनाती,बैरिकेडिंग और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था, थाना परिसर में आवागमन पर निगरानी पिछले वर्ष भी इसी थाने में हिरासत में मौत के बाद भारी बवाल हुआ था,इसलिए इस बार पूर्व सतर्कता बरती जा रही है।

लगातार सामने आ रहे कस्टडी डेथ के मामले : संभाग में हाल के समय में पुलिस अभिरक्षा में मौत के तीन मामले सामने आ चुके हैं दो बलरामपुर जिले से, एक अंबिकापुर (पंकज बेग मामला) इन मामलों ने पुलिस कार्यप्रणाली, पूछताछ के तरीके और मानवाधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

किस मामले में थी गिरफ्तारी-

यह पूरा मामला 30 अक्टूबर को धनंजय ज्वेलर्स में हुई चोरी से जुड़ा है। दुकान से लाखों रुपये के जेवर और नकदी चोरी की गई थी। पुलिस ने इस वारदात में शामिल 5 आरोपियों और चोरी के माल की खरीद-फरोख्त में शामिल 4 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। मृतक उन्हीं में से एक बताया गया।

पुलिस का पक्ष-

पुलिस प्रशासन का कहना है मृतक आरोपी को पहले से सिकलसेल की बीमारी थी, पूछताछ के दौरान तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई एडिशनल एसपी ने कहा कि मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए हैं और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

परिजनों का आरोप

परिजनों और ग्रामीणों ने कहा युवक पूरी तरह स्वस्थ था थाने में मारपीट के कारण मौत हुई शव पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं पुलिस की कार्रवाई निष्पक्ष और पारदर्शी नहीं परिवार ने न्यायिक जांच तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कानूनी रूप से क्या होना चाहिए ?

कस्टडी में मौत होने पर मजिस्ट्रियल जांच अनिवार्य है पोस्टमार्टम वीडियोग्राफी के साथ होना चाहिए, परिजनों को जांच प्रक्रिया की जानकारी दी जानी चाहिए,दोष सिद्ध होने पर पुलिसकर्मियों पर आपराधिक मामला दर्ज होता है परंतु जमीनी स्थिति में इन प्रावधानों के क्रियान्वयन को लेकर अक्सर सवाल उठते हैं।

जनता की अपेक्षा

स्थानीय नागरिक,जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन यह मांग कर रहे हैं कि पूछताछ की प्रक्रिया पारदर्शी की जाए हिरासत में रखे गए व्यक्ति की मेडिकल निगरानी सुनिश्चित हो और जवाबदेही व्यवस्था मजबूत किया जाए,स्पष्ट है कि यह केवल कानून व्यवस्था का नहीं, बल्कि नागरिक अधिकार और मानव गरिमा से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा है, अब निगाहें इस बात पर हैं कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन किस प्रकार की ठोस व्यवस्था और सुधार लागू करता है।

ग्रामीणों की मांग...

घटना की हाई-लेवल जांच पूछताछ प्रक्रिया में पुलिस प्रोटोकॉल का पालन आरोपित पुलिसकर्मियों पर कानूनी कार्रवाई अब पूरे मामले की सच्चाई जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी, स्थानीय लोगों की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई और जांच की पारदर्शिता पर टिकी हुई हैं।

हिरासत में मौत होने के बाद जांच लंबी खिंचती है,जिम्मेदारी तय होने में देरी होती है : परिजनों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि हिरासत में मौत होने के बाद जांच लंबी खिंचती है,जिम्मेदारी तय होने में देरी होती है और अंत में अक्सर दोषी ठहराया जाने वाला कोई नहीं होता, इसी बीच न्याय की मांग करने वाले परिवारों का दर्द यह भी है कि जिसकी मौत हुई, उसे न्याय नहीं मिल पाता। मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट भी इस बात पर जोर देती रही हैं कि हिरासत में मौत केवल एक व्यक्तिगत घटना नहीं, बल्कि पूछताछ की प्रणाली, पुलिस प्रशिक्षण और जवाबदेही से जुड़े बड़े प्रश्न खड़े करती है।

अरिहंत अस्पताल में विभिन्न कमियां पाए जाने पर आयुष्मान भारत पंजीयन आवेदन किया गया निरस्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में सोमवार को जिला टीकाकरण अधिकारी एवं नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत डॉ राजेश भजगावली तथा आरसीएच नोडल अधिकारी डॉ के.पी. विश्वकर्मा द्वारा अरिहंत अस्पताल अम्बिकापुर का निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के दौरान विभिन्न कमियां पाए जाने पर अरिहंत अस्पताल का आयुष्मान भारत पंजीयन आवेदन निरस्त किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि आवेदन में डॉ. तेजल उदय वाघे का पंजीयन महाराष्ट्र राज्य का है। वहीं अस्पताल में ओपीडी क्षेत्र में चिकित्सक की जानकारी चस्पा नहीं कि गई है। लेबर वार्ड में आवश्यक उपकरण नहीं था, वेंटिलेटर की सुविधा उपलब्ध नहीं थी,एईआरबी रजिस्ट्रेशन नहीं था। इसके साथ ही आईसीयू चालू नहीं था,मॉनिटर एंव सेन्ट्रल ऑक्सीजन पाइप लाइन उपलब्ध नहीं था।

बायो मेडिकल वेस्ट सर्टिफिकेट 09 बेड का लिया गया है, जिसकी वैधता वर्ष 2030 तक है लेकिन वर्तमान में 20 बेड में संचालित पाया गया। फार्मेसी लाइसेंस, ब्लड बैंक लाईसेंस, एम्बुलेंस रजिस्ट्रेशन सर्टीफिकेट उपलब्ध नहीं था। नर्सिंग होम एक्ट में आवश्यक रजिस्टर संधारित नहीं किया गया था। अस्पताल में साफ सफाई की व्यवस्था, वाहन पार्किंग एरिया आदि की व्यवस्था नहीं थी। इसी प्रकार अन्य कमियों के आधार पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अरिहंत अस्पताल का आयुष्मान भारत पंजीयन आवेदन निरस्त किया गया है।

अधिवक्ताओं का विरोध जारी,कायस्थ समाज ने दिया समर्थन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

नवीन न्यायालय भवन निर्माण वर्तमान न्यायालय परिसर के समीप ही कराए जाने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं का विरोध जारी है। अधिवक्ता संघ अपनी मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से अनिश्चितकालीन कलमबंद आंदोलन पर है। अधिवक्ताओं ने सोमवार को न्यायालय परिसर में एकत्र होकर शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराया तथा शासन-प्रशासन से इस विषय पर शीघ्र संवेदनशील निर्णय लेने की मांग की। आंदोलन की विशेषता यह रही कि कायस्थ समाज, सरगुजा के पदाधिकारीगण एवं वरिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में आंदोलन स्थल पर पहुंचे और अधिवक्ताओं के इस न्यायोचित एवं जनहितकारी आंदोलन को पूर्ण समर्थन प्रदान किया। समाज के प्रतिनिधियों ने मंच से कहा कि अधिवक्ता समाज सदैव जनहित और न्याय की रक्षा के लिए खड़ा रहा है, और जब अधिवक्ता एक स्वर में किसी विषय पर आवाज उठाते हैं तो वह केवल अपने लिए नहीं बल्कि पूरे समाज के न्यायसंगत भविष्य के लिए होती है। कायस्थ समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि न्यायालय भवन का वर्तमान स्थान वर्षों से न्यायिक कार्यप्रणाली के लिए उपयुक्त सिद्ध हुआ है। यह स्थान नागरिकों की पहुंच में है, यहां अधिवक्ताओं,वादकारियों, न्यायिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। संघ के पदाधिकारियों ने कायस्थ समाज के समर्थन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति या संस्था के विरोध में नहीं,बल्कि जनसुविधा,न्यायिक गरिमा और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था की रक्षा के लिए है। अधिवक्ता समुदाय का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि न्यायालय भवन का निर्माण ऐसे स्थान पर हो जहां न्याय की पहुंच आम जनता तक सहज बनी रहे। संघ की संघर्ष समिति ने प्रशासन द्वारा किए जा रहे विभिन्न दवाबों एवं भ्रामक प्रचारों की निंदा करते हुए कहा कि अधिवक्ता समुदाय पूरी तरह शांतिपूर्ण,संवैधानिक और लोकतांत्रिक मार्ग पर चल रहा है। यदि प्रशासन द्वारा आंदोलन को दबाने या भटकाने का कोई प्रयास किया गया तो संपूर्ण अधिवक्ता समाज और अधिक व्यापक स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। संघ ने पुनः यह स्पष्ट किया है कि जब तक शासन-प्रशासन द्वारा न्यायालय भवन को वर्तमान स्थल पर ही निर्मित किए जाने का लिखित, स्पष्ट एवं औपचारिक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक अधिवक्ताओं का यह अनिश्चितकालीन कलमबंद आंदोलन यथावत जारी रहेगा। अधिवक्ताओं ने सरगुजा की जनता, सामाजिक संगठनों, व्यापारी वर्ग,छात्र समुदाय एवं जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे इस जनहित के संघर्ष में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि न्यायिक व्यवस्था की गरिमा एवं आमजन की सुविधा की रक्षा की जा सके।

कोयला घोटाले का कमीशन बृहस्पति सिंह को भी जाता था,कांग्रेस नेता का दावा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह के आरोपों पर तीखा पटलवार किया है। उन्होंने कहा कि बृहस्पति सिंह, और चिंतामणि महाराज को कोयला घोटाले के आरोपी सूर्यकांत तिवारी से हर महीने 5-7 लाख मिलते थे। यही बात उनके दिमाग में रच बस गई है। इसीलिए वो जिला कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए लेन देन का मिथ्या आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह ने प्रदेश की प्रभारी सचिव जरिता लैटफलांग पर जिला अध्यक्ष बनवाने के लिए दावेदारों से 5-7 लाख रुपए लेन देन के आरोप लगाए थे। इसके बाद कांग्रेस में हलचल मची हुई है। इस पर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के करीबी अंबिकापुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने मीडिया से चर्चा में कहा कि बृहस्पति सिंह रिमोट से संचालित हो रहे हैं। उनके आरोपों के पीछे किसी और का दिमाग है। उन्होंने आगे कहा कि बृहस्पति सिंह और चिंतामणि महाराज दोनों को सूर्यकांत तिवारी हर महीने 5 लाख 7 लाख रुपए दिया करता था,जो उसकी श्रष्ठ द्वारा जप्त की गई डायरी में लिखा है। हर महीने मिलने वाला 5 -7 लाख रुपया उनके दिमाग में रच -बस गया है, इसलिए वह हर चीज में 5-7 लाख रुपए की बात कर रहे हैं।

मुरली मित्र वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा कैरियर गाइडेंस एवं मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मुरली मित्र वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा अंबिकापुर के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को कैरियर गाइडेंस एवं मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल की सैकड़ों छात्राओं ने भाग लिया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सेमिनार के मुख्य वक्ता देश के ख्यातिप्राप्त मोटिवेशनल स्पीकर एवं ट्रेनर संदीप श्रीवास्तव ने छात्राओं को परीक्षा भय से मुक्ति,अवसाद पर विजय,समय प्रबंधन, उचित मित्र चक्र का चयन तथा एकाग्रता बढ़ाने जैसे विषयों पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। श्रीवास्तव ने कहा, सपने वे नहीं जो नींद में देखे जाते हैं, सपने वे हैं जो आपको सोने नहीं देते। उनकी प्रेरक बातों से पूरा स्कूल परिसर गूंज उठा। मुरली मित्र वेलफेयर फाउंडेशन के राज्य समन्वयक मनोज प्रजापति, हसनैन आलम, शिवेंद्र तारम एवं सत्येंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले कई वर्षों से संस्था निःशुल्क ऐसे आयोजन कर मोबाईल-सोशल मीडिया की लत,गलत संगत एवं समय प्रबंधन की कमी से जूझ रहे छात्र-छात्राओं को मानसिक बल प्रदान कर रही है। संस्था का अगला लक्ष्य सरगुजा की बालिकाओं को निःशुल्क कराटे एवं ताइक्वांडो प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, ताकि वे आत्मरक्षा के साथ-साथ अनुशासन एवं आत्मविश्वास भी प्राप्त कर सकें। संस्था ने छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने तथा विशेष रूप से सरगुजा जिले के प्रत्येक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मोटिवेशनल सत्र पहुंचाने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम के दौरान परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का सम्मान मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए, पुरस्कृत छात्राओं में मानसी गुप्ता,साक्षी जायसवाल, प्रतिमा,सृष्टि जायसवाल,संगीता सिंह, मान्या गुप्ता,शिखा साहू,वैष्णवी,तन्नू सोनी,जमुना पोर्टे रही। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों एवं छात्राओं ने मुरली मित्र वेलफेयर फाउंडेशन की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा संस्था को आगे भी ऐसे आयोजन जारी रखने का आग्रह किया।

शौक बड़ी चीज है...लेकिन योग्यता नाम की भी कोई चीज होती है!

सरकारी पद पर निजी भरोसा : योग्यता कितनी जरूरी?

निज सहायक का पद योग्यता से मिलता है या पसंद से? मंत्री राजेश अग्रवाल की प्रस्तावित नियुक्ति पर सवाल?

-न्यूज डेस्क-
अंबिकापुर, 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भले ही अब मौसम ठंडा हो चुका है ठंड का एहसास लोगों को हो रहा है पर इस ठंड के बीच छत्तीसगढ़ की राजनीति में गर्मी बहुत है, स्थिति यह है कि मौसम की ठंड और राजनीति की गर्मी एक अलग ही मौसम का एहसास करा रही है, राजधानी के गलियारों में इन दिनों एक अद्भुत प्रेम-कहानी जैसे किस्से की चर्चा है, कहानी है मंत्री जी और उनके बेहद ख़ास तबरेज़ भाई की, मंत्री जी का शौक बड़ा निराला, सरकार चलाने से ज्यादा भरोसा अच्छी गिलौरी पर, गिलौरी का अर्थ पान का एक भरा हुआ,मुड़ा हुआ बीड़ा को कहा जाता है, और बताते हैं कि तबरेज भाई की उंगलियां पान की गिलौरी में ऐसा कमाल कर देते हैं, कि पान खाने वाले के दिल तक ताजगी उतर जाए, बस, मंत्री जी ने सोचा –अरे भाई! ऐसा हुनर वाला आदमी मेरे पास रहे, निज सहायक ही बना लेते हैं! जनता भले पूछ रही हो योग्यता क्या है? अनुभव क्या है? लेकिन मंत्री जी का जवाब बड़ा सरल पान की पत्ती में भावनाएं समझने वाला आदमी,इंसान को भी अच्छी तरह संभाल लेगा! मगर यहाँ आ गया नियम और कानून नाम का बगैर बुलाया मेहमान,निज सहायक के लिए 12वीं पास होना जरूरी है, और तबरेज़ भाई मिडिल क्लास में ही दिल जीतकर रुक गए। बस फिर क्या मंत्री जी की पूरी लॉबी,दबाव, दौड़ धूप सब धरी की धरी रह गई। अब गलियारों में कानाफूसी है कानून ने तो बस योग्यता मांगी थीज्पर अफसोस,यहां तो,की परंपरा दांव पर थी। और सबसे बड़ा सवाल झूल गया हवा में –मंत्री जी अब पान कौन खिलाएगा? अंत में हम आपको यह भी बताते हैं कि गिलौरी का अर्थ पान का एक भरा हुआ,मुड़ा हुआ बीड़ा को कहा जाता है अब आप इस वाक्य से पूरी कहानी को समझ सकते हैं।

क्या है मामला जानते है...

सरकारी तंत्र में पदों का निर्धारण केवल नियुक्ति आदेशों या औपचारिक प्रक्रियाओं से नहीं होता,बल्कि यह व्यवस्था की विश्वसनीयता और पारदर्शिता से भी जुड़ा प्रश्न है। हाल ही में मंत्री राजेश अग्रवाल द्वारा तबरेज़ आलम को निज सहायक (पीए) के रूप में नियुक्त करने का प्रयास इसी संदर्भ में व्यापक चर्चा का विषय बना है। मामला इसलिए सवालों के घेरे में आया क्योंकि प्रस्तावित व्यक्ति की शैक्षणिक योग्यता मात्र आठवीं कक्षा तक है, जबकि यह पद कार्यालय संचालन,अभिलेख प्रबंधन, पत्राचार और संवेदनशील संचार से संबंधित जिम्मेदारियों वाले पदों में गिना जाता है। निस्संदेह,राजनीतिक कार्यप्रणाली में व्यक्तिगत भरोसा और निकट सहयोगियों का महत्व होता है। कई नेता उन व्यक्तियों को प्राथमिकता देते हैं जो लंबे समय से उनके साथ जुड़े हों। यह मानवीय और राजनीतिक,दोनों दृष्टियों से समझने योग्य है। परंतु, यह तब सवालों को जन्म देता है जब निजी विश्वास का विस्तार सरकारी वेतन और सरकारी पदों तक होने लगे।

प्रशासन ने अपने अधिकार क्षेत्र में प्रक्रिया और मानकों की रक्षा करने का प्रयास किया

यह भी उल्लेखनीय है कि नियुक्ति फाइल को विभागीय स्तर पर स्वीकृति नहीं मिल सकी। इसका अर्थ यह है कि प्रशासन ने अपने अधिकार क्षेत्र में प्रक्रिया और मानकों की रक्षा करने का प्रयास किया है। यह लोकतांत्रिक मशीनरी के भीतर मौजूद संतुलन और आत्म नियमन का संकेत है। विवाद का केंद्र बिंदु तबरेज़ आलम नहीं हैं,विवाद उस व्यवस्था की प्राथमिकताओं का है जिसमें यह तय होता है कि सार्वजनिक पदों पर किस आधार पर नियुक्ति होती है, यदि राजनीतिक नेतृत्व यह संदेश देता है कि सरकारी पद योग्यता से पहले निकटता के आधार पर तय होते हैं, तो यह उन युवाओं के प्रति अन्याय होगा जो योग्यताएँ हासिल कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

यह स्थिति धीरे-धीरे प्रशासनिक संस्थाओं के पेशेवर चरित्र को कमजोर कर सकती है,अंततः यह मामला किसी व्यक्ति विशेष के पक्ष या विपक्ष का नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक प्रशासन की साख और प्राथमिकताओं का प्रश्न है,सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सार्वजनिक पदों पर नियुक्ति के मानदंड क्या हैं,यदि यह मानदंड खुलकर और पारदर्शी रूप से परिभाषित होंगे, तो न केवल विवाद कम होंगे,बल्कि व्यवस्था की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी, लोकतांत्रिक शासन में विश्वास,व्यक्ति पर नहीं,प्रणाली पर होना चाहिए।

तेज़ सवाल अब जनता पूछ रही है...

- क्या सरकारी वेतन पर निजी भरोसे का 'इनाम' दिया जाने वाला था?
- क्या प्रदेश में बेरोजगार डिग्रीधारियों की योग्यता अब किसी काम की नहीं?
- किस आधार पर मंत्रालय ने आठवीं पास व्यक्ति को पीए के लिए उपयुक्त माना?
- क्या मंत्री कार्यालय को भी 'व्यक्तिगत व्यवस्था' की तरह चलाया जाएगा?

चर्चा इस बात की भी...

तबरेज़ आलम मंत्री के काफ़ी समय से व्यक्तिगत रूप से नज़दीक बताए जाते हैं,यही नज़दीकी सरकारी पद तक पहुँचने का आधार बन गई, यह बात कई लोग मन में सवाल रूप में उठा रहे हैं,प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, अगर वेतन सरकारी कोष से है, तो नियुक्ति मानक और योग्यता की जांच अनिवार्य है।

फिलहाल स्थिति साफ है...

फाइल अटकी हुई है,विभाग सावधानी की मुद्रा में है और मामला जनता और मीडिया की निगरानी में आ चुका है मंत्री की तरफ़ से अब तक औपचारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

चौथे स्तंभ का अपना दृष्टिकोण

लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर सरकारी पद का अपना महत्व,उद्देश्य और प्रक्रिया होती है निज सहायक जैसे पद,भले ही किसी मंत्री या जनप्रतिनिधि के व्यक्तिगत कार्यों से जुड़े हों,परंतु जब उस पद का वेतन सरकारी कोष से दिया जाता है,तो वह निजी नहीं,संस्थागत जिम्मेदारी बन जाता है। हाल ही में मंत्री द्वारा अपने परिचित तबरेज़ आलम को निज सहायक (पीए) पद पर संविदा नियुक्त करने का प्रस्ताव इसी कारण चर्चा में आया। बताया गया कि तबरेज़ आलम आठवीं पास हैं। हालांकि,योग्यता का सवाल केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है,मुद्दा नियुक्ति के मानक और पारदर्शिता का है। सरकार के हर विभाग में पदों की नियुक्ति के लिए निर्धारित प्रक्रिया होती है,जिससे भेदभाव और पक्षपात से बचा जा सके। जब मंत्री या अधिकारी अपने पद से जुड़ी नियुक्तियों में व्यक्तिगत संबंधों को प्राथमिकता देते हैं तो यह शासन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। जनता यह अपेक्षा रखती है कि सरकारी पदों पर बैठे लोग योग्यता, दक्षता और ईमानदारी को प्राथमिकता देंगे,क्योंकि यही लोकतांत्रिक प्रशासन की नींव है। राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर यह आत्ममंथन जरूरी है कि क्या सरकारी प्रणाली में भरोसे की जगह नियम ले रहे हैं या नियम की जगह भरोसा? यह बहस केवल एक व्यक्ति या एक नियुक्ति की नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जवाबदेही और प्रशासनिक मर्यादा की है।

अंत में दो मूल प्रश्न खड़े होते हैं...

- पहला, क्या सरकारी पदों की प्राथमिक शर्त व्यक्तिगत निकटता होनी चाहिए, या फिर योग्यता, अनुभव और प्रक्रिया का पालन?
- दूसरा,यदि ऐसे पदों पर न्यूनतम शैक्षणिक और कार्यकुशलता मानकों की अनदेखी की जाती है,तो इससे सरकारी तंत्र की दक्षता और निष्पक्षता पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

34 नग नशीले इंजेक्शन के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

संभागीय उडऩ्दस्ता टीम ने 34 नग नशीले इंजेक्शन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार संभागीय आबकारी उडऩ्दस्ता संभाग सरगुजा की टीम कि नशे के सौदागरो पर ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है 9 नवंबर को देर शाम उडऩ्दस्ता कार्यालय अंबिकापुर में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मौलीबांध तालाब गौरव पथ रोड के पास ब्रह्म पारा का दिलीप नामदेव अपनी वाहन से घूम घूम कर नशीला इंजेक्शन बेच रहा है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने तत्काल उडऩ्दस्ता टीम के साथ मौली बांध तालाब के आसपास घेराबंदी कर संदिग्ध उक्त होंडा एविएटो गाड़ी के साथ व्यक्ति को देख उसका नाम पूछने पर उसने अपना नाम दिलीप नामदेव बताया।। उसकी गाड़ी की तलाशी लेने पर डिक्की से एक काले रंग के पॉलिथीन से कुल 34 नग नशीले इंजेक्शन बरामद किया गया। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 सी के तहत गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि दिलीप नामदेव को रसल नामक व्यक्ति ने नशीला इंजेक्शन सप्लाई किया था उक्त रसल नामक व्यक्ति ही अभी अंबिकापुर का सबसे बड़ा नशीला इंजेक्शन सप्लायर है जो की बड़ी चतुराई से लोगों को इंजेक्शन सप्लाई कर रहा है लेकिन बहुत दिन तक वह आबकारी उडऩ् दस्ता टीम को चकमा नहीं दे सकता। उडऩ्दस्ता के कई मामलों में रसल सह आरोपी है जिसकी शिद्दत से पताशाजी की जा रही है। उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता द्वारा की गई। हमराह स्टाफ में आबकारी उपनिरीक्षक तेजराम केहरी, मुख्य आरक्षक कुमारु राम,रमेश दुबे,अशोक सोनी नगर सैनिक गणेश पांडे,रणविजय सिंह एवं महिला सैनिक राजकुमारी सिंह एवं अंजू एक्का की कार्यवाही में सराहनीय भूमिका रही।

टीकाकरण का इंजेक्शन लगने के बाद बच्चे की मौत परिजनों ने जमकर काटा बवाल,थाने में की शिकायत

-संवाददाता-
बलरामपुर, 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

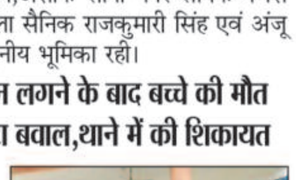

बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत ओकरा में टीकाकरण का इंजेक्शन लगने से एक दो माह के बच्चे की मौत हो गई है। परिजनों ने आज इस मामले में जमकर विरोध प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही राजपूत थाने में जाकर दोषियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। मामले में राजपूत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ का कहना है कि प्रकरण की जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी। ग्राम ओकरा के जगदीश कौशिक के दो माह के बच्चे का टीकाकरण 7 नवंबर 2025 को किया गया था। टीकाकरण करने के बाद बच्चे की तबीयत खराब हो गई थी। उसके बाद उसे परिजन गांव के ही उप स्वास्थ्य केंद्र में लेकर गए थे। परिजनों ने बताया कि वहां उप स्वास्थ्य केंद्र में कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था और बच्चे को सही इलाज नहीं मिल पाया। इलाज नहीं मिलने के कारण परिजन बच्चों को घर लेकर आए और सुबह उसकी मौत हो गई। इस घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है और गांव में मातम पसर गया है। परिजनों और गांव के लोगों ने स्वास्थ्य कर्मचारी और टीका लगाने वालों पर लापरवाही का आरोप लगाया है और आज दोषियों के ऊपर कार्रवाई के लिए थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा है। पीड़ित परिवार ने चार सूत्रीय का मांग पत्र भी सौंपा है और 500000 का क्षतिपूर्ति मुआवजा की भी मांग किया है।

राजीव गांधी शा. स्नातको. महाविद्यालय में इंटेलेक्चुवल प्रॉपर्टी राईट्सः ब्रिजिंग इनोवेशन एण्ड पब्लिक इंट्रेस्ट विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला का शुभारम्भ

-संवाददाता-
अंबिकापुर/रायपुर 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शा. स्नातको. महाविद्यालय में इंटेलेक्चुवल प्रॉपर्टी राईट्सः ब्रिजिंग इनोवेशन एण्ड पब्लिक इंट्रेस्ट विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला हुआ जो के इस सप्ताह भर उद्घाटन एवं समापन सत्र सहित कुल 12 सत्रों में आयोजित होगी। जहां 10 तकनीकी सत्र संचालित होना सुनिश्चित किया गया है। आज दिनांक 10/11/2025 से प्रारम्भ इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के शुभारम्भ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति संतगहिरागुरू वि.वि. डॉ. प्रेमप्रकाश सिंह, अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. (डॉ.) अनुराग श्रीवास्तव (फैकल्टी ऑफ्लॉ, लखनऊ वि.वि.), विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय अपर संचालक उच्च शिक्षा डॉ. रिजवानुल्लाह, कार्यक्रम के संयोजक महाविद्यालय के भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। ध्यतव्य है के कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. स्नेह लता श्रीवास्तव ने किया। प्रचलित संस्कृति के अनुरूप ही कार्यक्रम का आरम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्ज्वलन कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया। तत् पश्चात् एल.एल.बी. प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ के राज्यगीत से पूरी सभा ऊर्जास्वित हुई। संस्कृति अनुरूप कार्यक्रम के अगले चरण में विद्वान आगंतुकों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। जहां महाविद्यालय की प्राचार्या एवं आई.क्यू.ए.सी प्रमुख एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल सिन्हा के द्वारा मुख्य अतिथि कुलपति संत गहिरागुरू वि.वि. डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह एवं अन्य समस्त का स्वागत पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया गया। अगले क्रम में सूर्या पैकरा एवं साथियों के द्वारा सुमधुर स्वागत गीत ने अतिथियों को प्रफुल्लित किया। तत् पश्चात् विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश कुमार के द्वारा इस साप्ताहिक कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। उन्होंने बताया कि विगत तीन वर्षों से आयोजित हो रही यह कार्यशाला पूर्व में दो दिवसीय हुआ करती थी किंतु विषय की गहनता एवं विस्तार को देखते हुए इस वर्ष से इस कार्यशाला का साप्ताहिक स्वरूप प्रदान किया गया है। जिससे निःसंदेह ज्ञान के क्षेत्र में वृद्धि होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्या ने इस आयोजन के लिए आयोजन समिति को हार्दिक धन्यवाद एवं शुभकामनाएं ज्ञापित की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय अपर संचालक उच्चशिक्षा डॉ. रिजवानुल्लाह ने अपने उद्बोधन में आगामी भविष्य में राजीव गांधी शा. स्नातको. महाविद्यालय के द्वारा अधिक से अधिक पेटेंट कराने की अपेक्षा की। अब कार्यशाला में मुख्य अतिथीय उद्बोधन की घड़ी थी जहां कुलपति संत गहिरागुरू वि.वि. प्रो.(डॉ.) प्रेम प्रकाश सिंह ने सर्व प्रथम विशिष्ट मंच को प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि आज सर्वप्रथम प्राप्त संसाधनों के महत्वको समझाने, उनके संरक्षण और उचित प्रबंधन की आवश्यक्ता है। उन्होने समय को सबसे बड़ा संसाधन बताते हुए उसके महत्व को समझने की गुजारिश सभी श्रोताओं से की। उन्होने पी.जी. कॉलेज से शोध-कार्य और गति देने की भी अपेक्षा की। प्राध्यापकों की अपने अकादमिक क्षमता के विकास पर बल देना होगा ताकि वे समाज के विकास में अधिक से अधिक योगदान दे सकें। व्याख्यान के दौराज छात्रों से चर्चा करते हुए उन्होंने किसी काम को जज्बे के साथ करने एवं मानवीय शक्ति के महत्व को समझने की सलाह दी। तत्पश्चात् डॉ. राज कमल मिश्रा ने उद्घाटन सत्र के समाप्ति की घोषणा की। कुछ देर में ही प्रथम तकनीकी सत्र प्रारम्भ हुआ जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय से पधारे कार्यक्रम के अतिविशिष्ट अतिथि प्रो. (डॉ.) अनुराग श्रीवास्तव ने क्रमशः पेटेंट प्रक्रिया पर विस्तार से छात्रों को वैधानिक एवं तकनीकी ज्ञान दिया।

भारत की आत्मा राष्ट्रवाद है प्रखर राष्ट्रवादी वक्ता पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ आज अंबिकापुर में

राष्ट्रवादी चिंतक पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ आज अंबिकापुर आगमन पर भारत की आत्मा-राष्ट्रवाद पर देंगे प्रेरक व्याख्यान

-संवाददाता-
अंबिकापुर/रायपुर 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रवादी प्रखर वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ 11 नवम्बर को रायपुर से सड़क मार्ग द्वारा अंबिकापुर पहुंचेंगे। उनका आगमन लगभग शाम 5:30 बजे साड़बहार बैरियर पर होगा,जहाँ लोकमान्य बालगंगाधर तिलक गणपति स्थापना ट्रस्ट अंबिकापुर द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात वे शाम 6:00 बजे माँ महामाया मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लेंगे तथा 6:30 बजे हाथी पखना स्थित गणपति धाम में भगवान गणेश जी की आराधना करेंगे और मीडिया से रूबरू होंगे। तत्पश्चात वे सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। 12 नवम्बर को श्री कुलश्रेष्ठ प्रातः 11 से 12 बजे तक सरस्वती महा विद्यालय भगवानपुर में विद्यार्थियों को राष्ट्रनिर्माण और आत्मनिर्भर भारत के विषय पर संबोधित करेंगे। शाम 5:00 बजे पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में आत्मनिर्भर भारत एवं लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन दर्शन विषय पर उनका मुख्य व्याख्यान आयोजित किया गया है। श्री कुलश्रेष्ठ के कार्यक्रम को ले कर लोकमान्य बालगंगाधर तिलक गणपति स्थापना ट्रस्ट की बैठक हुई ,इसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के बाद उक्त जानकारी देते हुए आयोजन समिति के अध्यक्ष शैलेश सिंह (शैलू) ने कहा है कि आज की पीढ़ी को भारत के असली इतिहास और राष्ट्र की मूल भावना को समझने की आवश्यकता है। पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ जी का राष्ट्रवादी दृष्टिकोण हमें यह सिखाता है कि भारत केवल एक भू-भाग नहीं,बल्कि एक सांस्कृतिक चेतना है। उनके विचार हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरक हैं,जो भारत को आत्मनिर्भर,संगठित और सशक्त देखना चाहता है। लोकमान्य बालगंगाधर तिलक गणपति स्थापना ट्रस्ट अंबिकापुर की ओर से हम सभी नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे इस ऐतिहासिक अवसर पर सम्मिलित हों।

कांग्रेस ने लॉन्च किया नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम,सरगुजा में युवाओं से आवेदन की अपील

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कांग्रेस पार्टी ने जिला,प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के प्रवक्ताओं के चयन के लिए कांग्रेस की आवाज के नाम से नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम लॉन्च किया है। कार्यक्रम उद्देश्य विशेष तौर पर सुदृढ भाषाई और संचार कौशल वाले युवाओं की खोज कर उन्हें पार्टी से जोडऩा है। विगत दिनों छत्तीसगढ़ में इस कार्यक्रम को जारी करते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज ने पूरे प्रदेश को 5 जोन में बांटा है,जिसमे सरगुजा संभाग को भी एक जोन बनाया गया है। प्रत्येक जोन में एक 5 सदस्यीय टीम का गठन इस कार्यक्रम के संचालन हेतु निर्धारित किया गया है। सरगुजा जोन की टीम में शामिल कांग्रेस प्रवक्ता गुरुप्रीत सिंह सिद्धू ने जानकारी दी है कि नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 7 से 20 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया जायेगा। आवेदन पेश करने के लिए पार्टी ने लिंक और क्यु आर कोड जारी किया है जिसका उपयोग कर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने जानकारी दी है कि 21 नवंबर से 25 नवंबर तक आवेदन पत्र की छटनी के बाद 25 से 30 नवंबर तक पात्र आवेदकों का ऑनलाइन साक्षात्कार होगा। इसके उपरांत 1 से 5 दिसंबर के बीच चयनित अभ्यर्थियों से फिजिकल साक्षात्कार और पैनल डिस्कसन कर कांग्रेस अपने प्रवक्ताओं को चुनेगी। गुरुप्रीत सिंह सिद्धू ने जानकारी दी है कि कांग्रेस अपने विचारधारा के प्रचार प्रसार के लिए उन युवाओं के चयन को प्राथमिकता देगी जो कांग्रेस के मूल्यों में आस्थावान हैं। उन्होंने कांग्रेस की विचारधारा के प्रति समर्पित युवाओं से अपील की है कि वो अधिक से अधिक संख्या में आवेदन देकर कांग्रेस के प्रवक्ता बनने के अवसर में शामिल हो।

पार्किंग की बहनो को सेवा किटी समूह की बहनों ने दिया उपहार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 10 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी सामाजिक कार्य से जुड़ी सेवा किटी समूह की सदस्यों ने पार्किंग की बहनो को शॉल,मिठाई,सेनेटरी नेपकिन और अन्य जरूरत की सामग्री दी, संस्थापिका और संयोजिका सुश्री वन्दना दत्ता ने सेवा किटी के सेवा से अवगत कराया और परिवार के बच्चो की शिक्षा,विवाह या अन्य जरूरतों में सहयोग हेतु सभी सदसयो ने भी अपनी बात रखी, कार्यक्रम को सफल बनाने में,वंदना दत्ता,गायत्री सुल्तानिया,कुंजबाला जायसवल,नीलिमा गौयल, मधु चौदहा,सत्या दुबे,दीपमाला सिह, स्मिता तिवारी का सहयोग सराहनीय रहा,जरूरतमन्द कन्याओं के विवाह हेतु, सेवा किटी समूह द्वारा आर्थिक सहयोग किया गया, श्रीमती शारदा अग्रवल, नीलिमा गौयल, रश्मि गुप्ता ने कन्याओं को विवाह हेतु सामग्री प्रदान की। सभी महिला समूह सदस्यो ने मदद हेतु आभार व्यक्त कर खुशी ज़ाहिर की।

रामगढ़ सहित वनांचल के 7 पंचायतों में बिन नेटवर्क सब सून

रामगढ़ में इकलौते बीएसएनएल की सेवा महीने भर से बन्द नाराज ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

पूर्व सरकार में लगाये गए कई नए टावर बने शो पीस अभी तक नहीं हुए चालू

संचार सेवा पूरी तरह ठप्प नहीं सुनते बी एस एन एल के अधिकारी

-राजन पाण्डेय-

कोरिया, 10 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। जिले के सोनहत तहसील स्थित रामगढ़ में मोबाइल नेटवर्क की समस्या गंभीर बनी हुई है,यहां बीएसएनएल का टावर पिछले एक माह से बंद पड़ा है। तीन साल पहले क्षेत्र में कई टावर लगाए गए थे। इनमें से एक टावर रामगढ़ में चालू किया गया था,जो अब बंद है। बाकी टावर अभी तक चालू ही नहीं किए गए, ग्रामीणों ने इस समस्या के समाधान के लिए कई बार भारत संचार निगम कार्यालय में निवेदन किया। लेकिन कोई समाधान नहीं निकला मोबाइल सेवा एक माह से बंद जिसके कारण इस क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है।

किसे बताए समस्या बिन नेटवर्क सब सून...

ग्रामीणों ने कहा कि समस्या बताएं भी तो किसे बिना नेटवर्क वो भी सम्भव नही है, एक दो बार किसी माध्यम से भारत संचार निगम कार्यालय तक बात पहुचाई गई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ,बिना नेटवर्क अपने नात रिश्तेदारों से भी संपर्क कट गया है,आपात कालीन स्थिति में 108 और 102 की सेवा भी बिना नेटवर्क नहीं मिल पा रही है,शासन प्रशासन को हमारी समस्या पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि सुविधाओं का लाभ मिल सके।

बीएसएनएल के टावर लगे पर कोई चालू नहीं...

ग्रामीण बताते हैं कि बीएसएनएल के कई टावर लगाए गए हैं जिसमे उधेनी, सिंघोर, उग्यांव, सूक्तरा मझगांवा रेवला और अन्य भी कुछ गांवो में लगाये गए हैं लेकिन एक भी टावर चालू नही किया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब चालू नही करना था तो लगाया ही क्यों गया इतना पैसा शासन से खर्च किया लेकिन ग्राम वासियों को कोई लाभ नही मिल रहा फिर उससे क्या फायदा।

लगे लगे कबाड़ न हो जाये टावर...

कुछ लोगो ने यहां तक कह दिया कि सिंघोर का टावर काफी समय पहले लगा था जो लगे लगे कबाड़ हो गया उसी तर्ज पर बाकी टावरों का भी हाल वैसा न हो जाये, ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से मांग किया है कि तत्काल टावर चालू हो जिससे लोगो को उसका लाभ मिले।

जिओ के टावर भी शो पीस

रामगढ़ तुर्रा पानी सहित कुछ और ग्रामो में बीएसएनएल के अलावा जिओ के टावर भी स्थापित किये 5 साल हो गए लेकिन वो आज तक कार्यशील नही हुए है,जिससे लोगो को जिओ की भी सेवा का लाभ नही मिल पा रहा है।

पिछले बार लंबे विरोध के बाद बनाया गया था...

इससे पहले भी रामगढ़ में बीएसएन एल टावर 6 माह तक लगातार खराब था जिस पर नाराज ग्रामीणों और जन प्रतिनिधियों ने सुशासन तिहार का बहिष्कार किये जाने की चेतावनी देते हुए टावरों को चालू कराने की मांग किया था जिसके बाद टावर चालू हो गए थे लेकिन कुछ दिनों बाद पुनः वही स्थिति निर्मित होने से ग्रामीणों में नाराजगी का आलम है।

क्या कहते हैं लोग

रामगढ़ में मोबाइल सेवा बन्द होने बहुत ज्यादा परेशानी है,शीघ्र मोबाइल सेवा शुरू होनी चाहिए

गणेश गुप्ता सांसद प्रतिनिधि

रामगढ़ में बन्द मोबाइल सेवा पुनः चालू करने कई बार सम्पर्क किया गया है लेकिन कोई सुनवाई नही हो रही

तेजबली राजवाड़े ग्रामीण

रामगढ़ में मोबाइल सेवा पुनः चालू करने कल ही ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा , ठीक नही होने पर आंदोलन की भी किया जाएगा

पुष्पेंद्र राजवाड़े

रामगढ़ सहित सभी स्थानों के मोबाइल टावर शीघ्र चालू करने सांसद महोदया से बात कर अवगत कराऊंगा,साथ ही ज्ञापन पत्र भी सौंपा जाएगा

प्रकाश चन्द्र साहू

रामगढ़ के मोबाइल टावर की समस्या की जानकारी मिली है, भाजपा जिलाध्यक्ष एवं विधायक महोदया को अवगत करा कर तत्काल बनाने का प्रयास किया जाएगा

समय लाल कमलवंशी भाजपा नेता

अपराधियों पर सख्त रुख दिखाने वाली एसपी रत्ना सिंह का राजपूत क्षत्रिय महासभा ने किया सम्मान

बबीता सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल पहुँचा एसपी कार्यालय,अध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने भेंट किया अभिनंदन पत्र

-संवाददाता-

एमसीबी, 10 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। जिला पुलिस की पहली महिला पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थापना के बाद से ही अपने सख्त, तेज और निष्पक्ष कार्यशैली के कारण सुर्खियों में बनी पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह का अखिल भारतीय राजपूत क्षत्रिय महासभा एमसीबी जिला इकाई द्वारा भव्य सम्मान किया गया। ज्ञात है कि एसपी रत्ना सिंह ने अपराधियों,अवैध कारोबारियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर जिला पुलिस प्रशासन की छवि को मजबूत किया है।

अवैध गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई

पिछले दिनों चिरमिरी में पुलिस द्वारा अपराधियों का सार्वजनिक जुलूस निकालना जिले में कड़े कानून-व्यवस्था के संदेश का स्पष्ट उदाहरण माना जा रहा है। इससे अपराधी तत्वों में भय और आम नागरिकों में सुरक्षा भावना बढ़ी है। महासभा ने कहा कि ऐसी निर्णायक पुलिसिंग सुशासन की दिशा में बड़ा कदम है।

महासभा ने किया कार्यशैली को सलाम

समाज ने एसपी को जिले की महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों के लिए एक मजबूत और प्रेरणादायक नेतृत्व का प्रतीक बताया। महासभा का यह सम्मान जिला पुलिस प्रशासन के सार्थक और परिणाम पूरक कार्यों की सामाजिक स्वीकृति माना जा रहा है, सम्मान कार्यक्रम में बबीता सिंह, देवेंद्र सिंह, रामनरेश सिंह, मुरली मनोहर सिंह, राजप्रताप सिंह सहित महासभा के कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने एसपी कार्यालय में किया सौजन्य भेट

महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने बबीता सिंह के नेतृत्व में एसपी कार्यालय पहुँचकर शॉल, पुष्पगुच्छ और अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान व्यक्त किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने एसपी के नेतृत्व में जिले में बढ़ती सुरक्षा व्यवस्था और त्वरित कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए कहा कि ÷रत्ना सिंह के कार्यभार ग्रहण करने के बाद से अपराधियों पर नकेल कसी गई है और बिना किसी दबाव व भेदभाव के कार्रवाई जारी है। इससे प्रशासन के प्रति जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

बाल दिवस पर बेटियों के सपनों को मिली नई उड़ान 'हर बालिका राष्ट्र की पूंजी' थीम पर हुआ सृजनात्मक आयोजन

-संवाददाता-

एमसीबी, 10 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हल्दीबाड़ी चिरमिरी में आज बाल दिवस के उपलक्ष्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत कहानी लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता का प्रेरणादायी आयोजन किया गया। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत आयोजित इस कार्यक्रम की थीम हर बालिका राष्ट्र की पूंजी और कहानी लेखन प्रतियोगिता का विषय मेरे सपनों का भविष्य रखा गया। इस आयोजन का उद्देश्य बालिकाओं को अपने विचारों, सपनों और आकांक्षाओं को सृजनात्मक रूप में व्यक्त करने का अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। संचालन जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा ने किया। छात्राओं ने अपनी भावनाओं को आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्त करते हुए ऐसी कहानियां प्रस्तुत कीं जिनमें उनके उज्ज्वल भविष्य और सशक्त भारत की झलक दिखाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य चंदन दत्ता, शिक्षिकाएँ, मिशन शक्ति महिला एवं बाल विकास विभाग की वित्तीय साक्षरता समन्वय विशेषज्ञ श्रीमती अनीता कुमारी शाह तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर सुश्री अमीषा कुशवाहा की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी प्रभावशाली बनाया। यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि बालिकाओं के आत्मविश्वास, सृजनशीलता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के अंत में निर्णायकों द्वारा श्रेष्ठ कहानियों का चयन किया गया और प्रतिभागी बालिकाओं को प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय परिसर उत्साह, उल्लास और प्रेरणा के वातावरण से गूंज उठा, जहाँ प्रत्येक बालिका ने अपने भीतर की शक्ति और संभावनाओं को पहचानने का संकल्प लिया।

15 नवम्बर से कोरिया जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू

बाहरी धान की खपत रोकने प्रशासन सख्त, सीमावर्ती चेकपोस्टों पर 24 घंटे निगरानी

-संवाददाता-

कोरिया, 10 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया कोरिया जिले में 15 नवम्बर से शुरू होने जा रही है। इस वर्ष जिले के 21 उपार्जन केन्द्रों में कृषकों से धान की खरीदी की जाएगी। जिला प्रशासन ने खरीदी व्यवस्था को सुचारू, पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त रखने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं।

किसानों से खरीदी का लक्ष्य

इस वर्ष कोरिया जिले में 22 हजार 126 किसानों से 1 लाख 37 हजार 468 मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य निर्धारित है। विगत वर्ष 23 हजार 117 कृषकों द्वारा पंजीकरण कराया गया था, जिनसे 1 लाख 28 हजार 478 मीट्रिक टन धान खरीदा गया था।

कृषि ऋण वितरण में प्रगति

इस खरीफ सत्र में 64 करोड़ रुपये कृषि ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके विरुद्ध अब तक 15 हजार 679 किसानों को 49 करोड़ 5 लाख रुपये का ऋण वितरित किया जा चुका है। पिछले वर्ष 54 करोड़ 82 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया था।

प्रशासन की सख्त चेतावनी

जिला प्रशासन ने स्पष्ट कहा है कि बाहरी धान की खपत, मिलावट, अनियमितता और धोखाधड़ी के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। कृषि, सहकारिता, खाद्य विभाग, मार्कफेड सहित सभी जिम्मेदार अधिकारियों को धान खरीदी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बाहरी जिलों से धान की आवक रोकने चेकपोस्ट तैयार

यह आशंका जताई गई है कि खरीदी के दौरान बाहरी क्षेत्रों से अवैध धान लाकर खपाने का प्रयास किया जा सकता है। इस पर प्रभावी रोकथाम के लिए प्रशासन ने सीमावर्ती मार्गों पर चेकपोस्ट दल तैनात कर दिए हैं। डुमरिया, टेंगनी, नगर, सुरमी चौक और गोईनी में 24 घंटे तीन पालियों में निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इन चेकपोस्टों की निगरानी का नेतृत्व बैकुंठपुर के एसडीएम उमेश कुमार पटेल तथा सोनहत क्षेत्र में एसडीएम अंशुल वर्मा द्वारा किया जाएगा। दल में पुलिस, वनकर्मी, नगर सैनिक तथा कोटवारों को शामिल किया गया है। सभी टीमों को बाहरी धान परिवहन रोकने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

संवेदनशील उपार्जन केंद्रों में संयुक्त प्रभार

कुछ संवेदनशील खरीदी केन्द्रों पर पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन को बनाए रखने के लिए समिति प्रबंधकों के साथ संयुक्त रूप से आहरण एवं संवितरण अधिकारी तैनात किए गए हैं। जामपारा, झरना पारा, पटना, गिरजापुर, सरभोंका, बैमा सहित अन्य उपार्जन केन्द्रों में नियुक्त अधिकारी व्यवस्था की निरंतर समीक्षा करेंगे। इसके अलावा सभी 21 धान उपार्जन केन्द्रों के निरीक्षण एवं रिपोर्टिंग हेतु जिला स्तरीय विभिन्न विभागों के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

ध्यान देने योग्य तिथियाँ और व्यवस्थाएँ

धान खरीदी अवधि 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक रहेगी। जिले में नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है, जिसमें अधीक्षक भू-अभिलेख भुवनेश्वर प्रसाद टोप्पो को प्रभारी नियुक्त किया गया है। नियंत्रण कक्ष का दूरभाष क्रमांक 07836-232301 जारी हुआ है, जहां किसान अपनी समस्या या शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता

लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथिः- 06.11.2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग- स.क्र. 1 सूरजपुर एवं स.क्र. 2 मनेन्द्रगढ संभाग
03. स.क्रं. 1 एवं 2 स वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि स.क्र. 1- 21.11.2025 एवं स.क्र. 2 -27.11.2025

सरल क्र.	एन.आई. टी.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	208	उपसंभाग प्रेमनगर के अंतर्गत 05 नग मार्गो में विशेष मरम्मत, एफ.डी.आर. एवं रोड सेफ्टी का कार्य(1)बिशुनपुर सूरजपुर ओडगी (एस.एच.16) मार्ग के कि.मी. 6/6,7/8, 7/10 एवं 8/10 में मार्ग का विशेष मरम्मत का कार्य। (2) बिशुनपुर सूरजपुर ओड़गी (एस.एच. 16) मार्ग के कि.मी. 7/6 एवं 7/10 में मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए टो-वाल का निर्माण कार्य। (3) बिशुनपुर सुरजपुर ओडगी (एस.एच. 16) मार्ग के कि.मी. 8/10 एवं 11/8 में मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए टो-वाल का निर्माण कार्य (4) विशुनपुर सूरजपुर ओड़गी (एस.एच. 16) मार्ग के कि.मी. 10/2 में विशेष मरम्मत कार्य । (5) अटल चौक तेजपुर से डुमरिया घुरबेला नाला पहुंच मार्ग के कि.मी. 1/10 में पुलिया के एप्रोच का 7 मरम्मत कार्य । (प्रथम आमंत्रण)	106.31
2	209	जिला कोरिया बैकुण्ठपुर में स्टेडियम निर्माण कार्य का शेष कार्य विद्युतीकरण सहित। (प्रथम आमंत्रण)	183.58

जी नंबर-252604614/3

अधिक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मंण्डल अम्बिकापुर

60 दिनों से लंबित रिश्वत प्रकरण

सबूत सामने, कार्यवाही कहां अटकी ?

भैयाथान रिश्वत प्रकरण पर प्रशासनिक चुप्पी आखिर क्यों?

क्या प्रशासन एकमत है या मौन भी एक संदेश है?

शहर में चर्चा यह है कि विवादित अधिकारी के प्रति किसी स्तर पर संरक्षण का विश्वास होने के कारण कानूनी प्रक्रिया ठहरी हुई प्रतीत होती है। जिसके बाद प्रश्न यह उठना स्वाभाविक है क्या कलेक्टर और कमिश्नर इस मामले पर समान दृष्टिकोण रखते हैं? क्या अधिकारी यह मानकर चल रहा है कि उसके विरुद्ध कोई कड़ी कार्यवाही नहीं होगी? सवाल सीधे हैं,स्पष्ट हैं और जवाब भी स्पष्ट होने चाहिए।

जांच क्यों ठहरी?

शिकायत उच्चाधिकारियों तक पहुँची,विभागीय स्तर पर आरोप पत्र जारी होने की पुष्टि भी सामने आई,दस्तावेजों में सीमांकन रिपोर्ट के हस्ताक्षर और कब्जे की स्थिति स्पष्ट रूप से दर्ज थी फिर भी प्रकरण को हस्ताक्षर अपूर्ण बताकर निरस्त किया गया। यदि प्रशासन केवल सत्यापन चाहता, तो रिपोर्ट दोबारा मंगाई जा सकती थी,पर ऐसा नहीं हुआ।

पत्रकार पर मानहानि नोटिस नया सवाल

जब मामले की रिपोर्ट मीडिया में प्रकाशित हुई,तो स्पष्टीकरण जारी करने के बजाय पत्रकार को मानहानि का नोटिस भेजा गया। यह कदम स्वयं प्रश्न बन गया क्या यह खबर को रोकने की कोशिश थी? या सवाल उठाने वाले को दबाव में लाने का प्रयास?

एक मुहावरा जो इस पूरे प्रकरण पर फिट बैठता है...

'मियाँ-बीवी राजी तो क्या करेगा काज़ी।' जब जांच करने वाले और जांच के दायरे में आने वाले के बीच किसी स्तर पर सहमति, समझ या संरक्षण की भावना हो तो शिकायतकर्ता और पत्रकार केवल दर्शक बनकर रह जाते हैं।

यह मामला अब सिर्फ एक शिकायत नहीं...

यह प्रशासनिक जवाबदेही, न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता, और जनता के भरोसे का प्रश्न है, इस पर स्पष्ट, लिखित और सार्वजनिक उत्तर आवश्यक है, और समय सीमा सहित।

-ओंकार पाण्डेय-

भैयाथान/सूरजपुर,10 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। भैयाथान तहसील में कथित रिश्वत मांगने के प्रकरण पर कार्यवाही में देरी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ता सौरभ प्रताप सिंह द्वारा प्रस्तुत ऑडियो,वीडियो और दस्तावेज़ सार्वजनिक हो चुके हैं,लेकिन अब तक न विभागीय जांच आगे बढ़ सकी है और न ही एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत में तत्कालीन तहसीलदार संजय राठौर और नगर सैनिक संजय मिश्रा पर भूमि सीमांकन प्रकरण के बदले 1 लाख रुपये और एक आई पैड मांगने का आरोप है। शिकायतकर्ता के अनुसार,रिश्वत देने से मना करने पर सीमांकन प्रकरण को हस्ताक्षर अपूर्ण बताकर निरस्त कर दिया गया। हालाँकि,उपलब्ध रिकॉर्ड में आरआई लक्ष्मी खलखो की रिपोर्ट में संबंधित पक्षों के हस्ताक्षर और कब्जे की स्थिति स्पष्ट पाई गई।

इस मामले को स्थानीय पत्रकार द्वारा रिपोर्ट किए जाने पर,तहसीलदार शिव नारायण राठिया द्वारा पत्रकार को मानहानि का नोटिस जारी किया गया। इससे प्रशासनिक मंशा और मीडिया स्वतंत्रता पर भी प्रश्न उठने लगे हैं, अब तक जिला प्रशासन की ओर से इस संबंध में न तो कोई आधिकारिक बयान दिया गया

है और न ही जांच की वर्तमान स्थिति सार्वजनिक की गई है,स्थानीय नागरिक और शिकायतकर्ता प्रशासन से स्पष्ट और समयबद्ध निर्णय की अपेक्षा कर रहे हैं। भैयाथान रिश्वत प्रकरण पर प्रशासन की चुप्पी आखिर क्या संकेत देती है? भैयाथान में पूर्व तहसीलदार संजय राठौर के विरुद्ध लगाए गए रिश्वत के आरोपों को 60 दिन से अधिक बीत चुके हैं। शिकायतकर्ता सौरभ प्रताप सिंह द्वारा प्रस्तुत ऑडियो, वीडियो और लिखित साक्ष्य सार्वजनिक हो चुके हैं,परंतु जांच,निलंबन या एफआईआर जैसी स्पष्ट कार्यवाही अब तक सामने नहीं आई। यही स्थिति प्रशासनिक निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

जनता यही देख रही है...

मुद्दा	स्थिति
शिकायत दर्ज	हो चुकी
सबूत प्रस्तुत	सार्वजनिक एवं लिखित
न्यायिक या विभागीय कार्रवाई	प्रतीक्षारत
पत्रकार को नोटिस	जारी
तहसील/जिला प्रशासन का बयान	कोई नहीं

मुख्य सवाल जनता के सामने...

1. जब सबूत सार्वजनिक हैं – कार्यवाही न्यायिक स्तर तक क्यों नहीं पहुँच रही?
2. जिला प्रशासन मौन क्यों है?
3. यदि अधिकारी निर्देश हैं,तो प्रतिवाद और जांच त्वरित क्यों नहीं?
4. यदि आरोप गंभीर हैं, तो निलंबन और एफआईआर में विलंब क्यों?

मुद्दा कैसे शुरू हुआ?

शिकायतकर्ता ने जनदर्शन सहित विभागीय स्तर पर आवेदन देकर तत्कालीन तहसीलदार संजय राठौर और नगर सैनिक संजय मिश्रा पर सरकारी कार्य के बदले 1 लाख रुपये और आईपैड की मांग किए जाने का आरोप लगाया, आधार के रूप में ऑडियो रिकॉर्डिंग,वीडियो क्लिप्स सीमांकन से जुड़े राजस्व दस्तावेज़ जमा कराए गए। दूसरी ओर,जिस सीमांकन रिपोर्ट को यह कहते हुए खारिज किया गया कि हस्ताक्षर अपूर्ण हैं, उसी रिपोर्ट में आरआई लक्ष्मी खलखो द्वारा किए गए स्थल सत्यापन और संबंधित पक्षों के हस्ताक्षर मौजूद थे,यानी,यदि प्रशासन चाहता तो्पुनः स्थल निरीक्षण, द्वितीय जांच, फील्ड रिपोर्ट की पुष्टि आसानी से हो सकती थी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

जहाँ कार्यवाही की अपेक्षा थी, वहाँ नोटिस

जब एक स्थानीय पत्रकार ने इस मामले को समाचार के रूप में प्रकाशित किया, तो तहसीलदार शिव नारायण राठिया की ओर से पत्रकार को मानहानि नोटिस भेज दिया गया, यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है, क्या खबर पर नोटिस भेजना तथ्य बाहर न जाए इसका संकेत है? क्या प्रशासन सवालों का उत्तर देने की बजाय सवाल उठाने वालों पर केंद्रित है? और सबसे बड़ा सवाल यदि आरोप झूठे हैं तो प्रशासन को जांच पूरी कर सार्वजनिक रूप से प्रतिवाद जारी करना चाहिए, यदि आरोप सही हैं तो अब तक निलंबन,एफआईआर और अनुशासनात्मक कार्यवाही क्यों नहीं? लेकिन स्थिति यह है कि न जांच आगे बढ़ती दिख रही है, न आदेश स्पष्ट है, न प्रशासनिक रुख।

सकरिया ग्राम पंचायत का रोजगार सहायक फर्जी दस्तावेजों से कर रहा है नौकरी

खड़गवां जनपद पंचायत में इसकी हुई है कई शिकायत मगर कार्यवाही के नाम पर होती है खानापूर्ति,जनपद पंचायत खड़गवां में ऐसे कई मामलो में चल रहा है लीपापोती का खेल,अधिकारी जांच में करें है दस्तावेजों में हेराफेरी,आखिर क्यों नहीं होती इन फर्जी दस्तावेज वाले अभ्यर्थियों के प्रकरणों में कार्यवाही ?

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,10 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत सकरिया में पदस्थ रोजगार सहायक की नियुक्ति ग्राम सकरिया में दिनांक 31/1/2013 को रोजगार सहायक के पद पर नियुक्ति हुई थी। नियुक्त रोजगार सहायक ग्राम पंचायत सकरिया धमेंद्र कुमार साहू आत्मज मोहरलाल साहू जनपद पंचायत खड़गवां जिला कोरिया का मूल निवासी हैं। उसके द्वारा दिनांक 28/7/2012 को डी. एड.की पढ़ाई (नियमित) रुप से पहले बैकुंठपुर में दाखिला लिया गया था और उसके बाद ग्राम पंचायत सकरिया में दिनांक 31/01/2013 को रोजगार सहायक के पद पर नियुक्ति हुई जो आज भी कार्यरत हैं।इस रोजगार सहायक धमेंद्र कुमार साहू ने डी0 एड0 की नियमित पढ़ाई और नौकरी दोनों एक साथ एक समय में किया गया है। और रोजगार सहायक का कार्य भी किया जा रहा है जो शासन के नियम के विरुद्ध है। जबकि शिकायत कर्ता ने इस संबंध में कोरिया कलेक्टर के जन दर्शन में और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरिया को कई शिकायते प्रेषित की है एवं जनपद पंचायत खड़गवां को भी कई शिकायते प्रेषित किया गया है जिसकी जांच जनपद पंचायत खड़गवां के तात्कालिक सीईओ ने भी जांच क़ो सही तरीके से नहीं किया गया है। जबकि जनपद के तात्कालिक सीईओ ने रोजगार सहायक ग्राम पंचायत सकरिया को पत्र के माध्यम से जवाब मांगा था और रोजगार सहायक ने अनुमति का आवेदन भी किया था मगर रोजगार सहायक ने अपने आवेदन में अनुमति का उल्लेख किया गया है।

जनपद पंचायत खड़गवां के तात्कालिक सीईओ के द्वारा अनुमति नहीं दिया गया है और रोजगार सहायक के द्वारा जिस दिनांक से अनुमति लेने का आवेदन

किया है और जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ ने अनुमति दिया है उसी दिनांक से रोजगार सहायक के द्वारा ग्राम पंचायत सकरिया में नियमित कार्य भी किया गया है। ग्राम पंचायत सकरिया में कार्य करते हुए हाजरी लगाकर धड़ल्ले से जनपद पंचायत खड़गवां के मनरेगा से वेतन भी प्राप्त किया है।

सवाल कई हैं अनुमति कैसी प्राप्त हुई थी और तात्कालिक जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ ने इस रोजगार सहायक धमेंद्र कुमार साहू के दस्तावेजों की जांच क्या नहीं की जनपद पंचायत खड़गवां के तात्कालिक सीईओ के द्वारा जांच किए गए दस्तावेजों में कई सवाल खड़े हो रहे हैं?

इस रोजगार सहायक के द्वारा ली गई अनुमति के आवेदन में किसी प्रकार के समय तारीख का उल्लेख नहीं है की कब से कब तक अनुमति किस माह से चाहिए है। और तात्कालिक सीईओ के द्वारा भी अपने अनुमति के पत्र में कहीं किसी प्रकार के कोई दिन तारीख माह के लिए अनुमति दिया गया है? सूत्रों से ये जानकारी मिल रही है की जनपद पंचायत खड़गवां के तात्कालिक सीईओ जो इस जांच के जिम्मेदार अधिकारी थे और उनके द्वारा इस जांच को गोलमोल जांच कर शिकायतकर्ताओं को गुमराह और भ्रमित कर गलत तरीके से पद प्राप्त किए हुए रोजगार सहायक को भ्रष्टाचार करने का बढ़ावा दे रहे हैं। क्या इस शिकायत की पुनः जांच की जाएगी? क्या शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत पर उसे न्याय मिलेगा या ये भी लेनदेन कर ठंडे बस्ते को समर्पित कर दिया जाएगा?

जबकि शिकायतकर्ता ने रोजगार सहायक ग्राम पंचायत सकरिया धमेंद्र कुमार साहू की शिकायत में सूचना के अधिकार से जनपद पंचायत खड़गवां से एवं धमेंद्र कुमार साहू ने जिस जगह से डीएड की रेगुलर डिग्री हासिल की है वहां से सारी जानकारी प्राप्त कर सारे दस्तावेज संलग्न किए थे उसके बाद भी शिकायत जांच को तात्कालिक जनपद पंचायत खड़गवां सीईओ ने लेन-देन कर जांच को प्रभावित किया गया है।

ग्राम पंचायत सकरिया निवासी रोजगार सहायक धमेंद्र कुमार साहू के द्वारा फर्जी दस्तावेजो के सहारे रोजगार सहायक की नौकरी धड़ल्ले से कर रहा है कार्यवाही नहीं होने के कारण मनोबल काफी बढ़ा हुआ है और एक ही समय पर दोनों जगह उपस्थित रह कर नियमित तीन वर्ष डीश एडश्न का छात्र रहा और दूसरी तरफ ग्राम पंचायत सकरिया में रोजगार सहायक का कार्य कर मनरेगा से वेतन भी प्राप्त किया है। जबकि एक ही समय पर दोनों जगह डी एड एवं रोजगार सहायक कि उपस्थिति पंजी और संस्था की उपस्थिति पंजी नाम एवं उपस्थिति दर्ज है। उसी समय पर ग्राम पंचायत सकरिया में कार्य करके तनख्वाह भी लिया जा रहा है और उसी समय पर नियमित संस्था में उपस्थिति होकर नियमित छात्र की उपस्थिति भी दर्ज है एक व्यक्ति एक समय पर दोनों का पूरा लाभ लेकर शासन के नियम कायदों को ताक में रखकर शासन से फर्जीवाड़ा कर वर्ष 31/01/2013 से रोजगार सहायक के पद पर पदस्थ रहकर कार्य कर रहा है।

खड़गवां जनपद पंचायत में कई ऐसे भ्रष्टाचार से संबंधित फाइलें शिकायत जाच के नाम पर सिर्फ ठंडे बस्ते में पड़ी धूल खा रही है और ऐसे फर्जी तरह से नियुक्ति पाने वाले रोजगार सहायक ग्राम पंचायत में भी भारी फर्जीवाड़ा धड़ल्ले से कर रहे हैं। बिना किसी डर भय के अगर सही तरीके से इस फर्जी नियुकत रोजगार सहायक की जांच हो जाए तो कई बडे बडे भ्रष्टाचार के मामले सामने आ जाएंगे और पूर्व में ऐसे कई मामले भी सामने आये हैं कई भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई भी हुई है मगर सकरिया ग्राम पंचायत में पदस्थ रोजगार सहायक धमेंद्र कुमार साहू के समय हुए निर्माण कार्यों मे भी काफी भ्रष्टाचार किया गया है जिसकी भी जाच होनी चाहिए जिससे इस रोजगार सहायक के द्वारा किये गये फर्जीवाड़े की पूरी पोल खुल सकती है।

वर्तमान में भी सक्रिया के ग्रामीणों ने पदस्थ जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ से शिकायत की जिस पर जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ के द्वारा शिकायतकर्ताओं को गोलमोल जवाब देकर मामले को निपटाने में लगे रहते हैं कहीं नवपदस्थ जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ भी इस मायावी रोजगार सहायक के माया का शिकार तो नहीं हो गये है जो शिकायतकर्ताओं को वापस कर रहे हैं?

उसके बाद भी जिला जनपद पंचायत के अधिकारी इस रोजगार सहायक पर कार्रवाई कयो नहीं कर रहे हैं इसे बचाने में कयो लगे हुए हैं?

ग्राम पंचायत सकरिया के पंच परमेश्वर एवं ग्राम वासीयों ने किया रोजगार सहायक के दस्तावेजों का मिलान

जबकि ग्राम पंचायत सकरिया के सरपंच के द्वारा अपने लेटर पैड में दिनांक 6/7/20 को पंचनामा भी तैयार किया गया उस पंचनामा में ग्राम वासी एवं पंचों का हस्ताक्षर युक्त पंचनामा बनाया गया है इस पंचनामा में उल्लेख भी किया गया है दिनांक 31/01/2013 को रोजगार सहायक धमेंद्र कुमार साहू की नियुक्ति का स्पष्ट उल्लेख किया गया है और वर्तमान में भी कार्यरत होना भी अंकित किया गया है तथा डीश एडश्न के दाखिल 28/7/2012 को नियमित छात्र के रूप में पढ़ाई कि गई है और उत्तीर्ण भी है। दस्तावेजों के आधार पर रोजगार सहायक की उपस्थिति पंजी और डीश एडश्न कि उपस्थिति पंजी का मिलान किया गया है जो कि नियम विरुद्ध है और उक्त प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत सकरिया के सरपंच एवं पंचों की जानकारी के अनुसार सत्य एवं सही है जिस पंचनामा में ग्राम वासीयों एवं पंचों और सरपंच सचिव के हस्ताक्षर युक्त है। उसके बाद भी जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ एवं जिला पंचायत सीईओ इस रोजगार सहायक धमेंद्र कुमार साहू पर कयो मेहरबान है क्यों कार्यवाही नहीं करते। जब दस्तावेज स्पष्ट प्रमाणित कर रहे हैं उसके बाद भी कार्यवाही का नहीं किया जाना से स्पष्ट होता है कि जनपद पंचायत खड़गवां के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला पंचायत के सीईओ के द्वारा भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े को बढ़ावा दिया जा रहा है?

रायपुर सूटकेस मर्डर की याद ताजा

अब जशपुर में पत्नी ने की पति की हत्या,पुलिस ने महाराष्ट्र से दबोचा

-संवाददाता-

जशपुर,10 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पत्नी ने अपने ही पति की हत्या कर दी और हत्या के बाद उसकी लाश को सूटकेस में बंद कर फरार हो गई। यह मामला ठीक उसी तरह के सनसनीखेज सूटकेस हत्याकांड की याद दिलाता है, जिसने कुछ समय पहले राजधानी रायपुर में पूरे प्रदेश को हिला दिया था।

रायपुर के सूटकेस हत्याकांड की यादें ताजा

गौरतलब है कि रायपुर में किशोर पैकरा हत्याकांड ने पूरे छत्तीसगढ़ को झकझोर दिया था। उस मामले में आरोपी अंकित ने किशोर की हत्या इसलिए की थी क्योंकि उसने किशोर के करीब 30 लाख रुपये हड़प लिए थे,जो उसे प्रॉपर्टी बेचने के बाद मिले थे। जब किशोर बार-बार अपने पैसे मांगने लगा, तो अंकित ने उसे मौत के घाट उतारकर लाश को सूटकेस में छिपा दिया था। अब कुछ वैसा ही मामला जशपुर जिले के दुलदुला थाना क्षेत्र से सामने आया है। जानकारी के अनुसार, यहां एक महिला ने अपने पति की निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने लाश को सूटकेस में बंद किया और फरार हो गई। पुलिस को जब इस वारदात की खबर लगी, तो पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस को मिली बड़ी सुराग

जशपुर पुलिस ने जैसे ही जांच शुरू की,तो पता चला कि आरोपी महिला

ट्रेन से फरार हो गई है। तुरंत ही मामले की जानकारी रायपुर जीआरपी को दी गई। रायपुर जीआरपी एसपी ने टेक्निकल टीम की मदद से आरोपी महिला की लोकेशन ट्रैक की और पता लगाया कि वह ट्रेन से महाराष्ट के नासिक की ओर जा रही है। तुरंत ही इसकी सूचना नासिक आरपीएफ को भेजी गई। आरपीएफ टीम ने सक्रियता दिखाते हुए मनमाड़ रेलवे स्टेशन पर महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में महिला ने अपना अपराध स्वीकार किया है।

लाश को जशपुर में ही छोड़ा

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि हत्या के बाद महिला लाश को सूटकेस में रखकर जशपुर में ही छोड़ गई थी। वह मौके से फरार होकर ट्रेन में सवार हो गई थी ताकि महाराष्ट भाग सके। लेकिन पुलिस की तत्परता से वह ज्यादा दूर नहीं जा सकी। फिलहाल आरोपी महिला को जशपुर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।पुलिस का कहना है कि पूछताछ के बाद इस मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं- जैसे हत्या की असली वजह, महिला की योजना, और क्या इस वारदात में कोई और भी शामिल था या नहीं। जशपुर एसपी ने बताया है कि मामले को लेकर जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी।

वर्दी पहनते ही मेरी चाल एकदम बदल जाती है,एक चौड़ आ जाती है : शेफाली शाह

जानी-मानी अदाकारा शेफाली शाह ने यूं तो अपने करियर की शुरुआत टीवी से की। फिर सत्या,मॉनसून वेडिंग,दिल धड़कने दो और वक्त जैसी फिल्मों के लिए चर्चा में रहीं, लेकिन उनकी एक्टिंग का असली दमखम दिखा ओटीटी पर, जब वह एमी अवॉर्ड विनिंग सीरीज दिल्ली क्राइम में मैडम सर यानी एसीपी वर्तिका चतुर्वेदी के रूप में नजर आईं। इसके बाद तो वह ह्यूमन,डार्लिंग्स,जलसा और थ्री ऑफ अस जैसी हर फिल्म,हर सीरीज से दर्शकों के दिल में अपनी छाप मजबूत करती गईं। दिल्ली क्राइम 2 के लिए प्रतिष्ठित एमी अवॉर्ड जीतने वाली शेफाली अब इसके तीसरे सीजन में लौटी हैं। जाहिर है यह शो उनके लिए बेहद स्पेशल है। वह कहती हैं कि उन्हें इस शो और किरदार से बेहद प्यार है।

वर्दी पहनते ही एक चौड़ आ जाती है

दिल्ली क्राइम सीजन 3 से क्राइम और इन्वेस्टीगेशन की इस दुनिया में लौटने के बारे में शेफाली बताती हैं, मेरा एक्साइटमेंट तभी शुरू होता है, जब मुझे पता चलता है कि इस शो का नया सीजन आ रहा है। मुझे इस शो और मैडम सर से प्यार है। हालांकि,जब सेट पर जाने का वक्त आता है तो मेरा टेंशन, स्ट्रेस सब बढ़ जाता है। ऐसा लगता है कि मुझे कुछ नहीं आता,लेकिन जब मैं उसके जूते में पैर रखती हूं, मेरी चाल बदल जाती है। वह यूनिफॉर्म पहनते ही मुझमें अचानक एक चौड़ आ जाती है। वैसे, यह इमोशनली आपको सुखा देने वाला शो है। बहुत इंटेंस शो है। मैंने तीन सीजन कर लिए,मगर कभी भी ऐसा नहीं लगा कि सबकुछ आसान है। मैं सब आसानी से कर रही हूं, क्योंकि हर बार अलग केस है तो उनका रिएक्शन अलग होगा। वह पहले एसीपी थी, अब डीआईजी है, ट्रांसफर हो चुका है, तो काफी चीजें बदल चुकी हैं, इसलिए इसे करते वक्त कुछ भी बोरिंग या प्रिडिक्टेबल नहीं लगता है।

बदलाव सबसे पहले घर से आता है

दिल्ली क्राइम 4 गर्ल ट्रैफिकिंग यानी लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित है। शो करते हुए ये घटनाएं शेफाली शाह पर कितना असर करती हैं? यह पूछने पर वह कहती हैं, बहुत असर करती हैं। अगर मुझ पर असर नहीं होगा, मुझे महसूस नहीं होगा तो मैं दिखाऊंगी क्या? अगर मुझे ये चीज अंदर तक नहीं झकझोरेगी तो मैं उसे दिखा भी नहीं पाऊंगी। मैं सच में कह रही हूं कि जो इमोशन आप स्क्रीन पर देखते हैं, वो 100 फीसदी सच होता है। मगर शेफाली को खुद लड़कियों से जुड़े कौन से मुद्दे परेशान करते हैं? इस पर वह कहती हैं, बहुत सारी समस्याएं हैं। भ्रूण हत्या, किसी भी तरह का मानसिक, शारीरिक या सेक्शुअल शोषण। समाज में बराबरी का न होगा लेकिन ये सब इतनी आसानी से नहीं बदलेगा। ये बरसों की सोच है जिसे बदलना है और यह बदलाव सबसे पहले आपके घर से आएगा। मैं हमेशा कहती रही हूं कि हमारी बेटियां तभी सुरक्षित होंगी जब हम अपने बेटों की सही तरह से परवरिश करेंगे। यह हमारी जिम्मेदारी है।

अपनी प्राथमिकताएं तय करना सीख गई हूं

सीरीज रसिका दुग्गल के किरदार के बहाने औरतों पर घर और काम के दबाव को भी दिखाती है। शेफाली खुद इन दोनों के बीच कैसे बैलेंस बनाती हैं? इस पर वह बताती हैं, आपको बस करना होता है। हमारे पास ऑप्शन क्या है? ये है कि मेरे बच्चे बड़े हो गए हैं तो अब उन्हें मेरी उतनी जरूरत नहीं है,पर अब भी बहुत सारी चीजें हैं। हालांकि,वक्त के साथ मैं प्राथमिकताएं तय करना सीख गई हूं कि कौन सी चीज तुरंत करना जरूरी है। जैसे,मेरा यह रहता है कि अगर घर पर सब खुश,स्वस्थ और सुरक्षित हैं तो ठीक है। अगर इन तीन चीजों में दिक्कत है तो मैं दुनिया की बाकी सब चीजें छोड़ दूंगी। उसके अलावा खाना नहीं बना,खाना नहीं खाया, पानी नहीं आया, ये सब हैंडल करना बहुत थकाऊ होता है। खासकर,इसलिए कि वर्तिका की तरह मैं भी अपने काम में डूब जाती हूं,तो उस वक्त अगर घर में खाना नहीं बना तो क्या करूं? लेकिन फोन आता है,तो मैं कहती हूं ऑर्डर कर लो। उस पर भी ओटीपी की व्यथा कथा शुरू हो जाती है (हंसती हैं)। ये ओटीपी बहुत दर्दनाक चीज है। मतलब, दिल्ली क्राइम के पहले सीजन की सनडांस में स्क्रीनिंग चल रही थी। शो शुरू होने वाला था और मेरा बेटा फोन पर फोन किए जा रहा है। मैंने पूछा क्या हुआ,सब जिंदा हैं,तो बोला-मुझे ओटीपी चाहिए। मतलब क्या कहूं पर मुझे देना पड़ा।

8 घंटे की वर्क शिफ्ट पर यामी गौतम ने रखे अपने विचार

बॉलीवुड एक्ट्रेस इमरान हाशमी और यामी गौतम की नई फिल्म हक सिनेमा घरों में रिलीज़ हो चुकी हैं। इस मौके पर डायरेक्टर सुपन वर्मा और एक्ट्रेस यामी ने फिल्म इंडस्ट्री में 8 घंटे की वर्क शिफ्ट को लेकर चल रही बातचीत पर चर्चा की। मातृत्व के महत्व पर ज़ोर देते हुए यामी ने कहा कि एक बार माँ बनने के बाद हमेशा माँ ही रहती है, उन्होंने एक्टर्स और फिल्ममेकर्स के बीच आपसी समझ की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया। हाल ही में यामी गौतम ने शेयर किया, सबसे पहले तो, एक बार माँ बनने के बाद हमेशा माँ ही रहती है। चाहे आप नौकरी करते हों या घर पर रहने वाले माता-पिता हों, हर माँ अनोखी होती है और अपने बच्चे के लिए सब कुछ करती है। एक माँ के लिए उसके बच्चे से ज़्यादा महत्वपूर्ण कोई नहीं होता। मेरे प्रोफेशन की बात करें तो, मैं अपनी स्क्रिप्ट कैसे चुनती हूँ, यह मेरी पर्सनल लाइफ से बिल्कुल अलग है। उन्होंने आगे बताया, हालांकि हम दूसरे प्रोफेशन की तरह एक टाइम लिमिट चाहते हैं, लेकिन हमारी इंडस्ट्री अलग तरह से काम करती है।

इसमें लोकेशन, परमिशन और दूसरे एक्टर्स और टेक्नीशियन की भागीदारी जैसे कई फैक्टर होते हैं। इसलिए, टाइम लिमिट का विचार काफी सब्जेक्टिव है और यह एक एक्टर,एक प्रोड्यूसर और एक डायरेक्टर के बीच सहयोग और समझ पर निर्भर करता है। डायरेक्टर सुपन वर्मा ने यामी की टिप्पणियों पर कहा, यह एक लंबे समय से चला आ रहा मुद्दा है। कुछ एक्टर्स दिन में सिर्फ आठ घंटे,हफ्ते में पांच दिन काम करते हैं,और नाइट शूट से बचते हैं। यह व्यवस्था डायरेक्टर,प्रोड्यूसर और एक्टर द्वारा पहले से ही तय की जाती है। तो फिर जब कोई फीमेल एक्टर यह चिंता उठाती है तो यह समस्या क्यों बन जाती है?

जटाधारा को देखने उमड़ रही दर्शकों की भीड़

रहस्यमयी थ्रिलर 'जटाधारा' सिनेमाघरों में रिलीज़ हो चुकी है। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत फिल्म देखने वाले दर्शक इसे गहराई से भरी,विज़ुअली शानदार और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत सिनेमाई अनुभव बता रहे हैं। अभिनेता सुधीर बाबू के दमदार अभिनय और सोनाक्षी सिन्हा की प्रभावशाली, रहस्यमयी अदायगी ने सभी को प्रभावित किया है। सुबह से ही फिल्म के शो में दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी है। फिल्म की रोमांचक कहानी,तांत्रिक तत्वों की प्रामाणिक प्रस्तुति और हैरतअंगेज़ विज़ुअल्स ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। इसमें भावनाओं, एक्शन और ड्रामा का ऐसा संगम है,जिसने इस जॉनर के लिए एक नया मानक स्थापित किया है। निर्देशक वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल की बोल्ड स्टोरीटेलिंग और रहस्यमयी दुनिया की बारीकी से रचना की हर जगह सराहना हो रही है। सुधीर बाबू के शक्तिशाली और भावनात्मक प्रदर्शन को

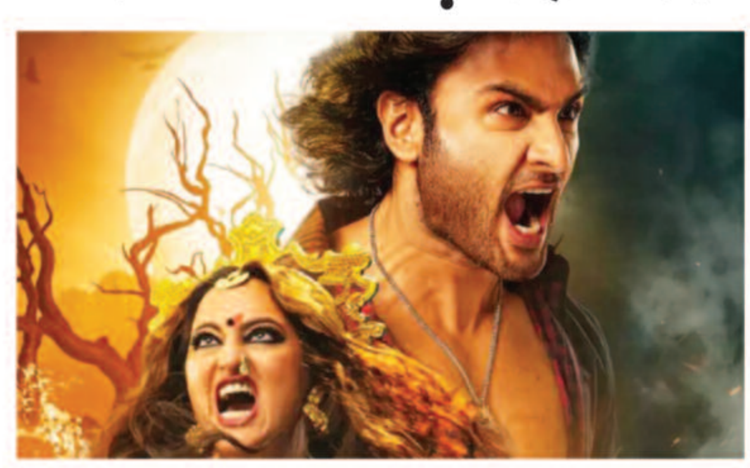

दर्शकों ने करियर का बेस्ट परफॉर्मेंस बताया है। उनका किरदार, जो मानव और अलौकिक जगत के बीच फंसा है,दर्शकों के दिल में उतर गया है। वहीं, सोनाक्षी सिन्हा की दमदार उपस्थिति और भावनात्मक गहराई ने कहानी में एक और सशक्त परत जोड़ दी है। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। लोग 'जटाधारा' को जॉनर-डिफाइनिंग स्पेक्टेकल और हाल के वर्षों के सबसे अनोखे सिनेमाई अनुभवों में से एक बता रहे हैं। फैंस के वीडियो, पोस्ट्स और रिव्यूज़ फिल्म की आध्यात्मिक ऊर्जा और सिनेमाई भव्यता की तारीफों से भरे पड़े हैं। हर तरफ से आ रहे पॉजिटिव रिव्यूज़ और माउथ-ऑफ-वर्ड के दम पर 'जटाधारा' ने शानदार ओपनिंग की है।

इसकी बेहतरीन सिनेमैटोग्राफी, गहन अभिनय और आध्यात्मिक विषय की सटीक प्रस्तुति दर्शकों को बड़े पर्दे पर खींच रही है। फिल्म में दिव्या खोसला की स्पेशल अपीयरेंस के साथ शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा,रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी,राजीव कणकला और शुभलेखा सुधाकर जैसे कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएँ निभाई हैं। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत'जटाधारा'एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जिसे उमेश कुमार बंसल,शिविन नारंग,अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा,शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने प्रोड्यूस किया है।

खेल समाचार

मुलानी ने रणजी सीजन में तीसरी बार 5 विकेट झटके

मुंबई ने हिमाचल को पारी और 120 रन से हराया,मेघालय 446 रन से जीता

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2025। ऑलराउंडर शम्स मुलानी के 5 विकेट के दम पर मुंबई ने रणजी ट्रॉफी के तीसरे राउंड में हिमाचल प्रदेश पर पारी और 120 रनों की जीत दर्ज की। इस जीत के साथ मुंबई की टीम एलीट ग्रुप डी के टॉप पर पहुंच गई है। 4 मैचों के बाद मुंबई के पास 17 अंक हैं। मुलानी ने सीजन में तीसरी बार 5 विकेट झटके। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ़ के खिलाफ 5 विकेट लिए थे। इधर, प्लेट ग्रुप के मुकाबले में मेघालय ने अरुणाचल प्रदेश पर पारी और 446 रनों की बड़ी जीत हासिल की। इस मुकाबले में आकाश चौधरी ने 8

गेंदों पर लगातार 8 छक्के लगाए थे। मुंबई की ओर से मुशीर खान प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 112 रन की पारी खेली। साथ ही 3 विकेट भी झटके। मुशीर को पहली पारी में एक और दूसरी पारी में 2 विकेट मिले हैं। मेघालय के अर्पित भाटवारा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अर्पित ने 207 रन की पारी खेली थी। रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में मेघालय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अरुणाचल प्रदेश को पारी और 446 रन के बड़े अंतर से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मेघालय ने शानदार शुरुआत की। टीम ने अर्पित भटेवरा 207,राहुल दलाल 144 और किशन लिंगदोह के 119 रन की मदद से पहली पारी में 628 रन पर पारी घोषित की। जवाब में अरुणाचल प्रदेश की टीम पहली पारी में 73 पर ऑलआउट हो गई। फॉलोऑन खेलने उतरी अरुणाचल की टीम दूसरी पारी में भी संघर्ष करती नजर आई। टीम दूसरी पारी में भी 109 रन पर ऑलआउट हो गई। आंध्र प्रदेश ने तमिलनाडु को 4 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। तमिलनाडु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 182 रन बनाए। जवाब में आंध्र प्रदेश ने अपनी पहली पारी में 177 रन बनाए। बल्लेबाज रिकी भुई ने शानदार 102 रन बनाए, जबकि केवी सचिन ने 58 रन का योगदान दिया। तमिलनाडु की ओर से आर साई किशोर ने 5 विकेट लिए। दूसरी पारी में तमिलनाडु की टीम 195 रन पर सिमट गई, जिससे आंध्र को जीत के लिए 201 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में आंध्र प्रदेश ने 4 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

टूटेगा दिल्ली का जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम,खेल मंत्रालय ने दी मंजूरी

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2025। खेल मंत्रालय जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम को पूरी तरह ध्वस्त कर उसकी जगह 102 एकड़ में विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स सिटी विकसित करने की योजना बना रहा है। यह परियोजना दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय स्तर का एकीकृत खेल केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगी।

अंतरराष्ट्रीय मॉडल पर डिजाइन : स्पोर्ट्स सिटी के डिजाइन और सुविधाओं को अंतिम रूप देने के लिए मंत्रालय की टीमें कतर तथा ऑस्ट्रेलिया के सफल स्पोर्ट्स मॉडल का गहन अध्ययन कर रही हैं। इन मॉडलों से प्राप्त अनुभवों को शामिल कर आधुनिकतम बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा।

जेएलएन स्टेडियम का इतिहास : जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम 1982 एशियन गेम्स के लिए निर्मित किया गया था तथा 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए नवीनीकृत हुआ। 60 हजार दर्शक क्षमता वाला यह स्टेडियम दशकों से एथलेटिक्स, फुटबॉल, कॉन्सर्ट तथा राष्ट्रीय समारोहों का प्रमुख केंद्र रहा है। यह भारतीय एथलेटिक्स टीम का पारंपरिक होम वेन्यू भी है। इस वर्ष की शुरुआत में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए स्टेडियम में 30 करोड़ रुपये की लागत से मोंडो ट्रैक बिछाया गया था। अब स्टेडियम के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण से खिलाड़ी समुदाय में चिंता व्याप्त है।

देश की सबसे बड़ी खेल परियोजनाओं में शामिल : 102 एकड़ में फैली यह स्पोर्ट्स सिटी देश के सबसे बड़े खेल परिसरों में से एक होगी। परियोजना का उद्देश्य सभी खेल विधाओं के लिए एकीकृत, आधुनिक एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों वाली सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मंत्रालय ने कार्यान्वयन के लिए विस्तृत योजना तैयार करना शुरू कर दिया है।

एफआईएच महिला जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय टीम घोषित,ज्योति सिंह करेंगी टीम की अगुवाई

नई दिल्ली,10 नवम्बर 2025। हॉकी इंडिया ने सोमवार को एफआईएच महिला जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 25 नवंबर से 13 दिसंबर 2025 तक सैंटियागो (चिली) में खेला जाएगा। 18 खिलाड़ियों और 2 वैकल्पिक खिलाड़ियों से बनी यह 20 सदस्यीय भारतीय टीम अपने कड़े अभ्यास का नतीजा दिखाने और विश्व स्तर पर मजबूत प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। भारत को पूल-सी में रखा गया है, जिसमें जर्मनी, आयरलैंड और नामीबिया जैसी टीमें हैं। भारत अपना पहला मुकाबला 01 दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 3 दिसंबर को जर्मनी और 5 दिसंबर को आयरलैंड से भिड़ेगा। प्रत्येक पूल की शीर्ष टीमें 7 से 13 दिसंबर के बीच खेले जाने वाले नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी। टीम की कप्तानी एक बार फिर ज्योति सिंह के हाथों में होगी, जबकि मुख्य कोच तुषार खांडेकर टीम की कमान संभालेंगे। मुख्य कोच तुषार खांडेकर ने टीम चयन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं इस टीम से बहुत खुश हूं। हमारा मुख्य फोकस अनुशासन पर रहा है और इसी सोच के साथ हमने यह टीम बनाई है। बीते कुछ महीनों में लड़कियों ने रक्षा और फिनिशिंग दोनों क्षेत्रों में शानदार सुधार दिखाया है। अब वे ज्यादा परिपक्व और आत्मविश्वासी नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा, हम सभी चिली जाने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। टीम का जोश और आत्मविश्वास दोनों ही उच्च स्तर पर हैं, और हमें उम्मीद है कि यह टीम विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करेगी।

टीम इस प्रकार है...

- **गोलकीपर :** निधि, एंगिल हर्षा रानी मिन्ज।
- **डिफेंडर :** मनीषा, लल्थनलुआलांगी, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू, नंदिनी।
- **मिडफील्डर :** साक्षी राणा, ईशिका, सुनेलिता टोप्पो, कप्तान ज्योति सिंह, खैदेम शिलैमा चानू, बिनिमा धान।
- **फॉरवर्ड :** सोनम, पूर्णिमा यादव, कनिका सिवाच, हिना बानो, सुखवीर कौर।
- **वैकल्पिक खिलाड़ी :** प्रियंका यादव, पार्वती टोप्पो।

सूदखोर वीरेंद्र तोमर 5 दिन की पुलिस रिमांड पर

जुलूस में हो गया था बेहोश,पत्नी बोली थी-मार डालो,कर्जदारों से छीनते थे जमीन

रायपुर,10 नवम्बर 2025। रायपुर पुलिस ने सोमवार को सूदखोरी, रंगदारी और अवैध हथियार रखने के मामले में गिरफ्तार हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र सिंह तोमर को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने तोमर को 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। 14 नवंबर को तोमार की रिमांड खत्म होगी। रायपुर पुलिस ने 5 महीने बाद एमपी के ग्वालियर से गिरफ्तार किया था। रायपुर पुलिस ने कोर्ट में पेश करने से पहले रविवार को वीरेंद्र तोमर का जुलूस निकाला। इस दौरान वीरेंद्र तोमर लंगड़ाते हुए चल रहा था। बनियान फटी हुई थी। कुछ देर बाद वह चलते-चलते रोड पर बेहोश हो गया था। इस दौरान तोमर की पत्नी ने गुस्से में पुलिस से कहा था कि मेरे पति को मार डालो। वहीं इससे पहले एसीसीयू कार्यालय में वीरेंद्र तोमर से पूछताछ की गई। वीरेंद्र का भाई रोहित तोमर अभी भी फरार है। एक टीम रोहित तोमर की तलाश में जुटी है। दोनों भाइयों पर रायपुर के कई थानों में 16 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। इनमें चाकूबाजी, मारपीट, हत्या का प्रयास,धमकी,धोखाधड़ी

और ब्लैकमेलिंग जैसे मामले शामिल हैं। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने रायपुर में ब्लैकमेलिंग और सूदखोरी के केस में हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर और वीरेंद्र तोमर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है, जबकि दोनों की पत्नियां और भतीजे को अग्रिम जमानत मिल चुकी है।

कौन है वीरेंद्र सिंह उर्फ रूबी तोमर

वीरेंद्र सिंह उर्फ रूबी तोमर रायपुर का आदतन अपराधी है। आरोप के अनुसार अपने छोटे भाई रोहित तोमर और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर सूदखोरी का काम करता है। आरोपी कर्जदारों से मूलधन से ज्यादा ब्याज वसूलते और पैसे नहीं देने पर मारपीट करते। वीरेंद्र सिंह तोमर पर पहला मामला 2006 में दर्ज हुआ था। पुलिस ने इसे आदतन अपराधियों की लिस्ट में डाला है। वीरेंद्र के खिलाफ 6 से ज्यादा अलग-अलग थानों में केस दर्ज है। इनमें मारपीट, उगाही, चाकूबाजी, ब्लैकमेलिंग और आर्म्स एक्ट के केस शामिल है।

क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, करीब 5 महीने पहले प्रॉपर्टी डीलर दशमीत चावला ने वीरेंद्र के भाई रोहित तोमर के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाकर तेलीबांधा थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर के बाद से रोहित तोमर फरार हो गया। रोहित के फरार होने के बाद उसका भाई वीरेंद्र तोमर भी गायब हो गया था। पुलिस ने वीरेंद्र सिंह तोमर के घर की तलाशी ली तो उसके घर में अवैध हथियार पुलिस को मिला था। पुलिस ने वीरेंद्र सिंह के ऊपर आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की थी।

13 साल की बच्ची ने अपने ही भाई-बहन को कुएं में धकेला, डूबने से दोनों की मौत..

खैरागढ़,10 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 13 साल की बच्ची ने अपने ही छोटे भाई-बहन को कुएं में धकेलकर मौत के घाट उतार दिया। मृतक बच्चों की पहचान करण वर्मा (4 वर्ष) और राधिका वर्मा (1.5 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों को यकीन नहीं हो रहा कि इतनी छोटी बच्ची ऐसा खौफनाक कदम उठा सकती है।

संपत्ति विवाद से उपजा तनाव : पुलिस की प्रारंभिक जांच में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि संबंधित परिवारों के बीच संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था।

इसी विवाद की वजह से दोनों परिवार अपने बच्चों को आपस में खेलने नहीं देते थे।

बहन बनी गवाह, फिर बनी शिकार

यह पूरी घटना 1.5 साल की राधिका ने देख ली थी। उसने रोना शुरू किया तो बड़ी बहन ने उसका मुंह रूमाल से बांधा और उसे भी कुएं में धकेल दिया। दोनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चों के शवों को कुएं से बाहर निकला। पुलिस ने 13 वर्षीय बच्ची को अपनी कस्टडी में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल बच्ची मानसिक रूप से सदमे में है और उससे धीरे-धीरे पूछताछ की जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक मृतक करण ने अपनी 13 वर्षीय बहन को किसी बात पर चिढ़ाया था, जिससे वह नाराज हो गई। गुस्से में उसने अपने छोटे भाई को कुएं में धकेल दिया।

स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर-नर्स रहे नदारद,तड़पती रही मरीज इलाज के अभाव में हुई मौत

जगदलपुर,10 नवम्बर 2025। बस्तर में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार नहीं मिलने से एक महिला की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि मरीज की तबीयत खराब थी और रात में चिकित्सक और नर्स मौजूद नहीं थे, जिसके चलते समय पर उपचार नहीं मिल पाया और महिला की मौत हो गई। खोटलापाल निवासी 60 वर्षीय रामशिला को स्वास्थ्य संबंधी समस्या के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके बेटे नारायण भारद्वाज ने बताया कि रात में माँ की तबीयत बिगड़ने लगी। उन्होंने डॉक्टर और नर्स को बुलाने की कोशिश की, लेकिन कोई भी नहीं मिला। उनका कहना है कि यदि तुरंत उपचार मिलता तो शायद जान बच सकती थी। घटना के बाद परिजनों ने आपत्ति जताई है। नारायण भारद्वाज ने आरोप लगाते हुए बताया कि बार-बार दरवाजा खटखटाने के बाद भी कोई नहीं आया। सुबह 4 बजे माँ की मृत्यु हो गई। सुबह 6 बजे जानकारी देने पर स्टाफ पहुँचा। इस संबंध में डॉ. सतीश ने बताया कि मरीज को शनिवार को भर्ती किया गया था और रविवार की सुबह जांच की जानी थी। इससे पहले ही मृत्यु हो गई। सीएमएचओ डॉ. संजय बसाक ने बताया कि महिला को पेट दर्द की शिकायत से भर्ती किया गया था। रात 2 बजे तक डॉक्टर व स्टाफ नर्स मौजूद थे, लेकिन जब महिला की मौत हुई तो परिजनों को भी जानकारी नहीं लगी। पूरे मामले की जांच की जाएगी।

प्यार में शादी,पर धर्म पर विवाद! हाईकोर्ट ने पत्नी का साथ दिया पति को देना होगा भरण-पोषण

बिलासपुर,10 नवम्बर 2025। प्रेम विवाह के बाद ईसाई समुदाय से ताल्लुक रखने वाली पत्नी ने अपने जैन पति पर धर्म बदलने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया। पत्नी का कहना है कि शादी के बाद पति और उसके परिवार वालों ने उसे ईसाई धर्म छोड़कर जैन धर्म अपनाने को कहा। विरोध करने पर पति उसे अपने साथ ससुराल नहीं ले गया। मजबूरी में वह पिछले काफी समय से अपने मायके में ही रह रही है। पत्नी ने पति के खिलाफ भरण-पोषण की मांग करते हुए फैमिली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पत्नी ने कोर्ट को बताया कि उसे गंभीर शारीरिक समस्याएं हैं, कमर और सीने के इलाज में हर माह 20 से 25 हजार रुपए खर्च हो जाते हैं। उसके पास खुद का कोई आय स्रोत नहीं है। वहीं पति पेशे से इंजीनियर है और हर महीने 85,940 रुपए तनख्वाह प्राप्त करता है।

फैमिली कोर्ट का आदेश

फैमिली कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पति को पत्नी को हर माह 12 हजार रुपए भरण-पोषण देने का आदेश दिया। अब पत्नी को हर माह 12 हजार रुपए भरण-पोषण मिलना तय है। फैमिली कोर्ट के फैसले को पति ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। पति की ओर से कहा गया कि पत्नी शिक्षित है और खुद खर्च उठा सकती है। लेकिन हाईकोर्ट ने यह दलील खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पत्नी के पास कोई आय नहीं है, पति की आय स्पष्ट और स्थिर है। पत्नी को सहायता देना कानूनी और नैतिक दायित्व है। इस आधार पर हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को सही मानते हुए पति की अपील खारिज कर दी।

कांग्रेस का नेशनल टैलेंट हंट लॉन्च नए प्रवक्ताओं की बड़ी खोज

रायपुर,10 नवम्बर 2025। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने देशभर में पार्टी की नई जन-आवाज तैयार करने के लिए नेशनल टैलेंट हंट 'प्रवक्ता' चयन अभियान की औपचारिक शुरुआत कर दी है। इस महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत प्रतिभाशाली युवाओं और अनुभवी कार्यकर्ताओं को जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस प्रवक्ता बनने का सुनहरा अवसर मिलेगा। अभियान का संचालन पूरे देश में कांग्रेस के सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिभा चयन कार्यक्रम के रूप में देखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्य में कार्यक्रम के संचालन हेतु प्रदेश, जोन (संभाग) और जिला स्तर की समन्वय समितियाँ बनाई गई हैं।

कोयला खरीदी में बड़ा खेल : फर्जी अमेरिकी कंपनी ने एनएमडीसी प्लांट को 120 करोड़ का चूना लगाने की कोशिश की,तीन अधिकारी निलंबित

रायपुर,10 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में नगरनार स्थित एनएमडीसी स्टील प्लांट में कोयला खरीदी के नाम पर 120 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। ठगों ने प्लांट प्रबंधन को ईमेल के जरिए फर्जी अमेरिकी कंपनी का झांसा देकर 120 करोड़ रुपये का भुगतान अपने खाते में करवा लिया।

स्टील प्लांट में लौह अयस्क को पिघलाने के लिए विदेश से आयात किए जाने वाले विशेष गुणवत्ता के कोयले की जरूरत होती है। ठगों ने इसी आवश्यकता का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, न्यूयॉर्क बैंक की सतर्कता से यह बड़ा ट्रांजेक्शन फिलहाल होल्ड हो गया है, जिससे एनएमडीसी के 120 करोड़ रुपये डूबने से बच गए हैं। इस घटना के

बाद प्लांट में एक बड़े घोटाले के रैकेट की आशंका गहरा गई है।

ईमेल के जरिए किया गया पूरा खेल..: दरअसल, प्लांट प्रबंधन में भी मेल पर एक फर्जी अमेरिकी कंपनी से कोयला बेचने का प्रस्ताव लिया था। नगरनार स्टील प्लांट प्रबंधन ने यह प्रपोजल स्वीकार कर लिया और सारी प्रक्रिया ईमेल के जरिए पूरी की गई। इसके बाद अमेरिका की फर्जी कंपनी ने 120 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा। अधिकारियों ने बिना किसी ठोस जाँच पड़ताल के अमेरिकी कंपनी के खाते में 120 करोड़ रुपये डाल भी दिए।

न्यूयॉर्क बैंक की तत्परता से बचे पैसे..

ट्रांजेक्शन पूरा करने के दौरान न्यूयॉर्क बैंक को विदेशी कंपनी के रिकॉर्ड पर शक हुआ। बैंक ने पाया कि कंपनी के नाम और एड्रेस अलग-अलग जगह प्रदर्शित हो रहे थे। इसके आधार पर बैंक ने तत्काल ट्रांजेक्शन पर रोक लगा दी और न्यूयॉर्क बैंक की सतर्कता से फिलहाल एनएमडीसी के 120 करोड़ रुपये होल्ड हो गए हैं।

एनएमडीसी के तीन और एसबीआई का एक अधिकारी निलंबित..

मामले की शिकायत के आधार पर एनएमडीसी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अपने तीन अधिकारियों पर प्रारंभिक कार्रवाई की है और विस्तृत जांच शुरू कर दी है। वही एसबीआई ने भी ट्रांजैक्शन प्रक्रिया में लापरवाही बरतने वाले अपने एक अधिकारी को निलंबित कर दिया है। इतनी बड़ी कंपनी में इस तरह के कोल घोटाले के रैकेट का अंदेशा गहरा गया है। सूत्रों ने बताया कि अब जांच टीम इस पूरे साइबर फ्रॉड के अंतरराष्ट्रीय लिंक की पड़ताल कर रही है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता की जलने से दर्दनाक मौत इलाके में शोक की लहर,कैसे हुआ हादसा?

भानुप्रतापपुर (कांकेर),10 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर क्षेत्र से एक बेहद दुखद वाली खबर सामने आई है। क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व जनपद सदस्य पुसऊ राम दुग्गा की शनिवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में जलने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की रात पुसऊ राम दुग्गा को अचानक सीने में तेज दर्द महसूस हुआ। इस पर उन्होंने अपने परिजनों से मालिश करवाकर आराम करने के लिए बिस्तर पर लेट गए। चूंकि रात में मौसम ठंडा था, इसलिए कमरे में गर्मी बनाए रखने के लिए बिस्तर के पास एक अलाव जलाया गया था।

इस हाल में मिली लाश : बताया जा रहा है कि देर रात अचानक घर के अंदर जलने की आवाज सुनाई दी। जब बाकी परिजन यह देखने पहुंचे कि क्या हुआ, तो वे कमरे में प्रवेश करते ही हैरान रह गए। कमरे के अंदर आग की लपटें उठ रही थीं और पुसऊ राम दुग्गा बिस्तर पर जल चुके थे। परिजनों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिजनों की सूचना पर भानुप्रतापपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि पुसऊ राम को हार्ट अटैक आया होगा, और बेहोशी या तड़पने के दौरान पास में जल रहे अलाव से बिस्तर में आग लग गई,जिससे वे जलकर दम तोड़ बैठे। हालांकि, मौत का असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

शोक की लहर : इस दर्दनाक हादसे से न केवल पुसऊ राम दुग्गा का परिवार गहरे सदमे में है, बल्कि पूरे कांग्रेस संगठन में शोक की लहर फैल गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता लगातार परिजनों के घर पहुंचकर संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी ने भी पुसऊ राम दुग्गा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, पुसऊ राम दुग्गा समर्पित और ईमानदार जनसेवक थे। उन्होंने हमेशा जनता के बीच रहकर उनके हित के लिए काम किया। उनका जाना कांग्रेस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।

राइस मिल में जुआ फंड का पर्दाफाश,8 जुआरी पकड़ाए

गरियाबंद,10 नवम्बर 2025। गरियाबंद पुलिस ने ग्राम कोकड़ी रमन राइस मिल के परिसर में गुल (गोटी) जुआ खेलते 8 जुआरियों को रंगे हाथ पकड़ा. जुआरियों से नगदी 25000 रुपए, गुल (गोटी), 8 मोबाइल और 6 मोटरसायकिल जब्त की गई। कोतवाली थाना स्टाफ व साइबर टीम ने मुखबिर से मिली सूचना पर मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर जुआ खेलते हुए आठ जुआरियों को रंगे हाथ पकड़ा। इनमें गरियाबंद वार्ड नं 08 निवासी आरोपी 1 (40 साल), गरियाबंद वार्ड नं 06 निवासी आरोपी 2 (33 साल), गरियाबंद वार्ड नं 15 निवासी आरोपी 3 (50 साल), गरियाबंद वार्ड नं 15 निवासी आरोपी 4 (50 साल), गरियाबंद वार्ड नं 08 आरोपी 5 (40 साल), गरियाबंद वार्ड नं 01 निवासी आरोपी 6 (42 साल), गरियाबंद वार्ड नं 11 निवासी

आरोपी 7 (47 साल), गरियाबंद वार्ड 15 आरोपी 8 (34 साल) शामिल हैं. जुआरियों के कब्जे से नगदी 25000 रुपए, गुल (गोटी), 8 मोबाइल और 6 मोटर साइकिल कुल कीमत 2,50,000 रुपए जब्त किया गया। आरोपियों के खिलाफ धारा 6 (क) छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधि. 2022 के तहत विधिवत वैधानिक कार्रवाई की गई। इसके साथ ही कारोबारी को अलग से पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

500 रुपए दो और ले जाओ शव,मर गई इंसानियत

बिलासपुर,10 नवम्बर 2025। सिम्स मेडिकल कॉलेज के चीरघर (मॉर्चुरी) से मानवता को शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। यहां तैनात सिम्स चौकी प्रभारी एएसआई ढोलाराम मरकाम पर एक गरीब ग्रामीण से शव जल्दी दिलाने के नाम पर रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगा है। पहले उसने 500 रुपये मांगे और जब कैमरे पर उसकी हरकत कैद होती दिखी, तो वह चीरघर के भीतर चला गया। कुछ देर बाद बाहर निकलते ही रकम बढ़कर 800 रुपये हो गई। सड़क दुर्घटना में घायल कोटा क्षेत्र के रिगरिगा निवासी गणेश सिंह सराटिया (65) का इलाज सिम्स अस्पताल में चल रहा था। शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। बेटे भारत सिंह को सूचना मिली तो वह तुरंत सिम्स पहुंचा। पिता के निधन से दुखी भारत सिंह के पास पैसे नहीं थे। जब वह चीरघर पहुंचा, तो वहां चौकी प्रभारी ढोलाराम मरकाम ने कहा कि जल्दी पोस्टमार्टम कराना है तो 500 रुपये लगेंगे। भारत सिंह ने हाथ जोड़कर कहा कि उसके पास पैसे नहीं हैं, लेकिन एएसआई नहीं पिघला। इसी बीच किसी ने मोबाइल कैमरे से पूरी घटना रिकॉर्ड कर ली। जब मरकाम की नजर कैमरे पर पड़ी तो वह अंदर

चला गया और थोड़ी देर बाद रकम बढ़ाकर 800 रुपये कर दी। वीडियो में यह भी सामने आया कि चीरघर के एक कर्मचारी ने अपने हिस्से के 300 रुपये और मांगे थे। पैसे न होने के कारण भारत सिंह रिश्तेदारों को फोन कर रुपए जुटाने में लगा रहा। कई घंटे की मशक्कत के बाद शव सौंपा गया, तब तक मृतक की पत्नी और बेटी बाहर बैठी रोती रहीं।

महापुरुषों पर अपमानजनक टिप्पणी मामला : क्रांति सेना प्रमुख अमित बघेल घर से फरार,चार राज्यों में एफआईआर दर्ज,पुलिस कर रही तलाश...

रायपुर,10 नवम्बर 2025। महापुरुषों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना और जोहार पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम रविवार को उनके घर पहुंची। पुलिस टीम ने घर के बाहर तैनाती कर दबिश दी, लेकिन आरोपी अमित बघेल पीछे के रास्ते से कूदकर भाग निकले। पुलिस ने उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की, मगर वह बंद मिला। पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही है। रायपुर एसएसपी ने जनता से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

क्या है पूरा विवादित मामला?

पूरा मामला तब शुरू हुआ जब 26 अक्टूबर को राजधानी रायपुर के वीआईपी चौक पर राम मंदिर के पास स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति टूटी हुई मिली। यह प्रतिमा छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पहचान से जुड़ी है। घटना के बाद छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के सदस्य मौके पर जमा हो गए और इसे संस्कृति पर हमला बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इसी दौरान क्रांति सेना प्रमुख अमित बघेल ने कथित तौर पर महाराजा अग्रसेन, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महापुरुषों और भगवान झूलेलाल पर आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणियां कीं।

गिरफ्तारी के लिए अलग अलग टीमें रवाना.. : इस मामले में सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह ने बताया कि अमित बघेल के खिलाफ देवेंद्र नगर और कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज है, और इसी संबंध में उनकी गिरफ्तारी की जानी है। एसएसपी ने बताया कि बीती रात उनके करीबियों के घरों पर भी दबिश दी गई। बघेल की तलाश में प्रदेश के अंदर अलग अलग टीमें जुटी हुई हैं, साथ ही प्रदेश के बाहर भी टीमें भेजी गई हैं।

एसएसपी की शांति बनाए रखने की अपील : रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने एक वीडियो संदेश जारी कर जनता से शांति एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि थाना कोतवाली और थाना देवेंद्रनगर में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अमित बघेल व अन्य के विरुद्ध पंजीबद्ध अपराध की विवेचना जारी है। सर्व समाज के लोगों से अपील है कि एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप कर सामाजिक सौहार्द्र को न बिगाड़ें। पुलिस द्वारा अपने कानूनी दायित्वों का पालन करते हुए शीघ्र ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी। कृपया पुलिस पर भरोसा रखें और शांति व्यवस्था बनाए रखें।

चार राज्यों में दर्ज हुई एफआईआर : अमित बघेल के विवादित बयानों को लेकर अब मामला राज्य की सीमाओं से बाहर भी पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ के अलावा चार से अधिक राज्यों में उनके खिलाफ अलग अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी टिप्पणियों की तीखी आलोचना हो रही है। इस बीच, पुलिस ने महतारी की प्रतिमा तोड़ने वाले आरोपी मनोज कुर्रे को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया था,जो मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)